www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 77 I नर्मदापुरम, शनिवार 14 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बारिश के आने से पहले हो रही नालों की सफाई ताकि शहर में न ठहरे बरसाती पानी — पृष्ठ 2

अब आजीविका और नौकरियों पर ध्यान केंद्रित हो
मिरज में मौजूद है, सितार को 'जन्म' देने की परंपरा? — पृष्ठ 4

बिजली की अघोषित कटौती पर ग्रामीण का गुस्सा फूटा, सड़क पर उतरे — पृष्ठ 6

मेट्रो रेल परियोजना के कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें — पृष्ठ 8

सार-समाचार

मानसरोवर झील की यात्रा का पहला जत्था रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के अधिकार वाले तिब्बत में स्थित भगवान शिव के धाम कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की यात्रा का पहला जत्था शुक्रवार को रवाना हो गया। पहले जत्थे में 50 लोग सिक्किम के नाथू ला दर्रे के रास्ते जाएंगे। यह यात्रा 21 दिन में पूरी होगी। विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने यहां जवाहरलाल नेहरू भवन में कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के लिए कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने यात्रियों को इस यात्रा के लिए चुने जाने पर सम्मानित किया और उनकी सुरक्षित और संतोषजनक यात्रा की कामना की।

योग पर वैश्विक सम्मेलन आज

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को 'योग कनेक्ट 2025 एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें दुनिया भर के अग्रणी अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के रूप में 14 जून यहां ' योग कनेक्ट 2025 एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश के योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, उद्योग नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होंगे।

3 दिन की यात्रा पर पुदुचेरी जाएंगे धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को तीन दिन की यात्रा पर पुडुचेरी जाएंगे। धनखड़ सोमवार को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जिपमर) द्वारा 'राष्ट्र निर्माण में पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यात्रा के अंतिम दिन श्री धनखड़ पांडिचेरी विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ बातचीत करेंगे। उप राष्ट्रपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

ईडी की रिशु श्री के ठिकानों पर छापेमारी, 11.64 करोड़ नकद सहित दस्तावेज जब्त

पटना, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना जोनल कार्यालय ने ठेकेदार रिशु श्री के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत कार्रवाई करते हुए तीन राज्यों में उसके ठिकानों पर छापेमारी कर 11.64 करोड़ रुपए की नकदी और कई दस्तावेज जब्त किए हैं। ईडी ने बिहार के पटना और मुजफ्फरपुर, गुजरात के सूरत और हरियाणा के पानीपत में नौ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और लगभग 11.64 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले घटे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी आने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 रह गई। शुक्रवार को सुबह आठ बजे तक कोरोना संक्रमण के 23 नए सक्रिय सामने आये और एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। गुरुवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7154 तक पहुंच गई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से केरल में एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। यह वायरस हालांकि अब आपातकालीन स्तर का खतरा नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कोरोना इन्फ्लूएंजा की तरह मौसमी रूप से फैलता रहता है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक लगभग 10,976 लोग इस वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि तीन राज्यों त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

ईरान पर इजरायल का बड़ा हमला

परमाणु ठिकाने तबाह, 20 से ज्यादा कमांडर ढेर

तेलअवीब, नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया पर एक बार फिर परमाणु विस्फोट का खतरा मंडरा रहा है। इजरायल ने ईरान के कई परमाणु ठिकानों, शोध संस्थान और एयरबेस तबाह कर दिए हैं। रिहायशी इलाकों में भी भारी तबाही देखी गई। जवाबी हमलों में ईरान ने 100 ड्रोन से इजरायल पर हमला किया है। इस बीच परमाणु हमले की भी धमकी दी जा रही है।

- इजराइल की एयर स्ट्राइक में ईरान के चार एटमी ठिकाने तबाह
- सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ और दो परमाणु वैज्ञानिकों की मौत
- हमले में दो सैन्य अड्डे भी हुए बर्बाद
- ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लगा झटका

इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान के 4 एटमी और 2 सैन्य ठिकानों पर 200 फाइटर जेट से मिसाइलें दागीं। हमले में ईरान के सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स के चीफ, 2 बड़े परमाणु वैज्ञानिक समेत 5 बड़े अफसर मारे गए। हमले में 20 बड़े सैन्य अफसरों कमांडरों के मारे जाने की खबर भी है। हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा कि- ईरान परमाणु बम तैयार करने वाला था, इसलिए उस पर हमला किया गया। इजराइली सेना का दावा है कि ईरान के पास 15 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम है।

इजराइल ने इसीलिए टारगेट भी 4 बड़े न्यूक्लियर प्लांट्स को किया। वहीं हथियार बनाने की क्षमता रखने वाली एक फैक्ट्री और बड़े मिलिट्री अफसरों के रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स को भी तबाह कर दिया। इस्राइली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान के नतांज इलाके में मौजूद उसके सबसे बड़े यूरेनियम फैसिलिटी सेंटर पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारतीय नागरिकों को सतर्कता बरतने की सलाह

ईरान पर इजराइल के हवाई हमले के बाद भारत ने दोनों देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को सतर्कता बरतने और स्थानीय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने जारी परामर्श में कहा कि ईरान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों से अनुरोध किया जाता है कि वे सतर्क रहें, सभी अनावश्यक गतिविधियों से बचें, दूतावास के सोशल मीडिया एकाउंट में दी जाने वाली सलाह का पालन करें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें।

ईरान ने परमाणु डील नहीं की, इसलिए हमला : ट्रंप

इजराइल-ईरान तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान परमाणु समझौता कर ले वरना और बड़ा हमला झेलना होगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने परमाणु डील नहीं की इसलिए उस पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि सबकुछ खत्म होने से पहले ईरान को यह डील कर लेनी चाहिए। इजराइल ने सुबह 200 फाइटर जेट्स से 6 ठिकानों पर हमला किया था। इसमें कई परमाणु ठिकाने और मिलिट्री साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके बाद ईरान ने दोपहर में इजराइल पर जवाबी हमला किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। ट्रंप ने कहा कि ईरान को बहुत जोरदार झटका मिला है लेकिन अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है।

अहमदाबाद विमान हादसे का सच आएगा सामने

इमारत की छत पर मिला ब्लैक बॉक्स

- हादसे में अब तक 270 लोगों के शव बरामद
- विमान हादसे की जांच में जुटीं एनआईए समेत 7 एजेंसियां
- पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी के शव की पहचान नहीं, डीएनए जांच जारी

अहमदाबाद/नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में एअर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे के 27 घंटे बाद शुक्रवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था। एअर इंडिया की फ्लाइट में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग मौजूद थे। इसमें से एक यात्री की जान बच गई। मरने वालों में राजस्थान से 13, एमपी, हरियाणा और बिहार के एक-एक लोग शामिल हैं। उधर, पूर्व सीएम रूपाणी के शव की पहचान भी अब तक नहीं हो पाई है। मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजन के डीएनए टेस्ट लिए जा रहे हैं। रेक्स्यू टीम ने 270 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। इनमें से 7 की बॉडी को डीएनए जांच के बाद परिजन को सौंप दी गई है। 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे के वक्त हॉस्टल में 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। मंत्रालय ने बताया कि डीएफडीआर को छत से बरामद किया गया है। हादसे की जांच में एनआईए समेत 7 एजेंसियां शामिल हैं। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी के शव की पहचान होते ही राजकोट में अंतिम संस्कार होगा। उनका बेटा शनिवार को अमेरिका से लौटेगा।

इससे पहले, पुलिस और दमकल अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा। अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही। पहले सूत्रों ने बताया कि जिस बी.जे. मेडिकल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मोदी ने घटना स्थल का किया दौरा, पीड़ितों से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले। उन्होंने मेघाणीनगर में क्रैश हुई एअर इंडिया फ्लाइट के पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए एकमात्र जीवित यात्री से भी मुलाकात की। मोदी के साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने हादसे के बारे में सूचना दी। वहीं दूसरी ओर मोदी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 68 वर्षीय रूपाणी लंदन जाने वाली उड़ान के 241 यात्रियों में शामिल थे।

एअर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है।

सेवानिवृत्त जज से कराई जाए हादसे की जांच : खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दुख जताया है। उन्होंने हादसे की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को या तो सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा जज या रिटायर्ड जज से जांच करानी चाहिए ताकि पता चल सके कि यह दुर्घटना क्यों हुई और इसका कौन जिम्मेदार है। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस समेत सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं से घायलों और मृतकों के परिवारों की मदद करने की अपील की। खरगे ने कहा कि सरकार पीड़ितों को वित्तीय और चिकित्सा सहायता सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की पूरी जिम्मेदारी ले। सरकार को यह तय करना चाहिए कि सभी घायलों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार मिले। उन्होंने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए घटना की उच्च स्तरीय जांच की भी मांग की।

हर उड़ान से पहले बोइंग 787 की होगी जांच : डीजीसीए

नई दिल्ली, एजेंसी। डीजीसीए ने शुक्रवार को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश 12 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे में 241 लोगों की मौत के एक दिन बाद जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि बोइंग के 787-8 और 787-9 हवाई जहाजों की हर उड़ान से पहले जांच होगी। सभी रिपोर्ट्स डीजीसीए को सौंपी जाएंगी। डीजीसीए ने एअर इंडिया को जेनएक्स इंजन वाले बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों के अतिरिक्त रख रखाव का निर्देश दिया है। यह आदेश 15 जून से लागू हो जाएगा। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 हैं। हर उड़ान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उत्तर भारत में प्रचंड गर्मी से हाल बेहाल

मप्र-उप्र सहित 9 राज्यों में लू का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मानसून 29 मई से मुंबई-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुका है। साउथ और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 9 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट है। यहां तापमान 45 डिग्री से ऊपर जा सकता है। वहीं, हरियाणा के 9 जिलों में दिन का तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू चलने की चेतावनी है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, जबकि सुबह की 67 प्रतिशत आर्द्रता ने गर्मी को और असहनीय बना दिया है।

25 जून तक दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत पहुंचेगा मानसून

वहीं, राजस्थान के भी 22 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। श्रीगंगानगर, कोटा, बीकानेर सहित कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार रहा। आज से मौसम में ठंडक घुलने लगेगी। अधिकतम तापमान घटकर 41 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री हो जाएगा। 15 जून को यह गिरावट और तेज होगी, जब अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 28 डिग्री दर्ज किया जाएगा। इन दिनों के लिए थंडरस्टॉर्म विद रेन का पूर्वानुमान है, जिससे मौसम राहत भरा रहेगा। 16 और 17 जून को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27-28 डिग्री के आसपास रहेगा। इसके साथ ही 18 और 19 जून को भी गरज के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी। इन दोनों दिन न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और अधिकतम 37 से 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। नमी की मात्रा 80-85 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह बारिश जहां आम लोगों को गर्मी से राहत देगी, वहीं किसानों के लिए भी यह सकारात्मक संकेत है। दूसरी तरफ, मौसम विभाग ने कर्नाटक, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना जताई है। कर्नाटक के हुबली में भारी बारिश हुई। इससे कई जगह बिल्डिंग के बेसमेंट और सड़कों पर पानी भर गया। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

फ्रांस के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

मप्र बनेगा भारत-फ्रांस सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग का नया केंद्र

भोपाल, देशबन्धु। फ्रांस और मध्यप्रदेश के बीच संस्कृति और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मुख्यमंत्री निवास, समत्व में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह मध्यप्रदेश को भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन सहयोग का नया केंद्र बनाएगा। इस ऐतिहासिक एमओयू पर भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ, प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिव शेखर शुक्ला और अलायंस फ्रांसेज़ डी भोपाल के अध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता अगले तीन वर्षों के लिए वैध होगा और आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

प्रदेश की संस्कृति को मिलेगा वैश्विक मंच : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत और फ्रांस के साथ सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे के बाद यह और प्रगाढ़ हुए है। मध्यप्रदेश फ्रांस के साथ सांस्कृतिक संबंधों के साथ व्यापारिक सम्बन्धों के लिए भी तत्पर है। उनकी आगामी माह फ्रांस यात्रा प्रस्तावित है। भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक विकास की दृष्टि से, उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और शिल्प कलाओं को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को न केवल देश की सांस्कृतिक राजधानी बल्कि एक प्रगतिशील, वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी दूरदृष्टि को साकार करता है। प्रदेश के कलाकारों को वैश्विक मंच मिलेगा और फ्रांस तथा यूरोप से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ ने इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमें मध्यप्रदेश सरकार के साथ इस महत्वपूर्ण सहयोग को स्थापित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। फ्रांस मुख्य रूप से पर्यटन, सुरक्षा, पर्यावरण और शिक्षा पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गेस्ट के बयान पर एंकर दोषी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने टीवी टॉक शो के दौरान उसमें भाग लेने वाले एक व्यक्ति के कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में गिरफ्तार आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव की जमानत याचिका शुक्रवार को मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिकाकर्ता राव को राहत दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि गेस्ट के बयान पर एंकर दोषी नहीं हो सकता। पीठ ने जमानत देते हुए कहा कि उन्होंने (राव) खुद यह (कथित आपत्तिजनक) टिप्पणी नहीं की। इसलिए उनके बोलने की स्वतंत्रता की रक्षा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता ने खुद यह बयान नहीं दिया है, लाइव टीवी शो में उनकी पत्रकारिता की भागीदारी की रक्षा की जानी चाहिए। उनके बोलने की स्वतंत्रता की भी रक्षा की जानी चाहिए, याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने आंध्र के पत्रकार राव को दी जमानत

शीर्ष अदालत ने जमानत पर विचार करते हुए याचिकाकर्ता की उम्र पर भी गौर किया और कहा कि वह लगभग 70 साल के वरिष्ठ पत्रकार हैं। तेलुगु पत्रकार कोम्मिनेनी श्रीनिवास राव को टेलीविजन शो में पैनलिस्ट द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान के सिलसिले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि केएसआर को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए, क्योंकि उनकी जमानत याचिका पहले से ही लंबित है। राज्य के विरोध के बावजूद, सर्वोच्च न्यायालय ने केएसआर की रिहाई का आदेश दिया, इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की थी और पत्रकारिता की स्वतंत्रता की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। राव को निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में एक प्रतिभागी की ओर से कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने नौ जून को गिरफ्तार किया था। इस मामले में की गई शिकायत में कहा गया था कि उन टिप्पणियों ने महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

बारिश के आने से पहले हो रही नालों की सफाई ताकि शहर में न ठहरे बरसाती पानी

नर्मदापुरम , देशबन्धु। बारिश में बैक वाटर और जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए नगरपालिका क्षेत्र के बड़नाले नालियों का सफाई अभियान 2.0 जोर शोर से शुरू हो गया है। नगर के प्रमुख आदमगढ नाला सहित अन्य नालों को पोकलेन की मदद से चौडीकरण और गहरीकरण किया जा रहा है। साथ ही नालों की झाडियों को भी हटाया जा रहा है। जिससे कि बारिश का पानी आसानी से नगर की सीमा सेबाहर निकल जाए। पोकलेन की मदद से नाले नालियों भारी मात्रा में जमा गाद को निकालकर व्यवस्थित किया जा रहा है।

पहले होती थी परेशानी

स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर स्वच्छता अभियान 2.0 प्रारंभ कर दिया गया है।

शुक्रवार को आदमगड क्षेत्र में बडे नाले में पोकलेन की मदद से गहरीकरण और चौडीकरण किया गया। आदमगड क्षेत्र के नागरिकों को बारिश के दिनों में परेशानी का सामना करना पडता था लेकिन अब नाले के चौडीकरण और गहरीकरण हो जाने के कारण बारिश का पानी निकाल जाएगा और नागरिकों को समस्या उत्पन्न नहीं होगी। जलभराव की स्थिति भी नहीं बनेगी।

नाले नालियों का सफाई कार्य जारी

बारिश पूर्व बडे नाले नालियों की सफाई अभियान 2.0 प्रारंभ हो गया है। बाजार क्षेत्र में भी बडे नाले, नालियों की सफाई की जा रही हैं। पानी निकासी के मार्ग में जितने भी अवरोध थे उन्हें पोकलेन की मदद से हटाया जा रहा है। नागरिकों से आग्रह है कि जिन्होंने भी नाले नालियों पर अतिक्रमण कर रखा है वे तुरंत ही अतिक्रमण हटा लें, जिससे स्वच्छता अभियान 2.0 में किसी प्रकार की गतिरोध उत्पन्न न हो।

नीतू महेंद्र यादव
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद
नर्मदापुरम

नकली सोना थमाकर बुजुर्ग को ठगा मनु ज्वेलर्स की पुलिस में शिकायत

डगमगा रहा ग्राहकों का भरोसा

बनखेड़ी, देशबन्धु। नगर में सोने-चांदी के आभूषणों की शुद्धता को लेकर एक बार फिर ज्वेलर्स व्यापारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। गाडरवारा तहसील के ग्राम ढींगसरा निवासी छोटे भैया पिता सुम्मा अहिरवार ने सितंबर 2021 में बनखेड़ी के मनु ज्वेल्स से दो अद्धा सोने के आभूषण 9.300 मिलीग्राम वजन के 45,340 में खरीदे थे। कच्चा बिल प्रदान किया गया। बुजुर्ग ने बताया कि अगस्त 2024 में पैसों की जरूरत पड़ने पर उन्होंने वही आभूषण 20,000 रुपए में गिरवी रखे और दिसंबर 2024 में वापस छुड़ा लिए। 20 मई 2025 को जब वे इन्हें दोबारा गिरवी रखने पहुंचे, तो दुकानदार संजय जैन ने आभूषणों को नकली बताकर लेने से इंकार कर दिया। इतना ही नहीं, जब ग्राहक ने विरोध किया तो दुकानदार ने कथित रूप से गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें दुकान से बाहर निकाल दिया। जिसकी पुलिस में शिकायत की। सब इंस्पेक्टर मनमोहन सिंह ठाकुर ने कार्रवाई कर रहे हैं।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

म.प्र. शासन के मंत्रीगण आज पचमढी प्रवास पर, रहेंगे कार्यक्रम में

नर्मदापुरम। म.प्र. शासन के मंत्रीगण आज पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगें। इसी क्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, केन्द्रीय मंत्री एल मुरूगन, न्याय व अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ वीरेन्द्र कुमार पचमढी प्रवास पर रहेंगे। साथ ही राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कुटीर एवं ग्रामोंद्योग दिलीप जायसवाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी, राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर पचमढी आ रहे है। पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश महेन्द्र सिंह भी पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगें।

पात्र परिवारों को दिया जा रहा है तीन माह का एकमुश्त राशन

नर्मदापुरम देशबन्धु। ध्यप्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा पात्र परिवारों को तीन माह (जून, जुलाई एवं अगस्त 2025) का राशन एकमुश्त वितरित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त वितरण प्रक्रिया के तहत जून 2025 में,पीओएस मशीन पर हितग्राहियों का तीन बार बायोमेट्रिक सत्यापन उपरांत राशन का वितरण किया जा रहा है। जिले के कुल 204448 पात्र परिवारों के कुल 825227 हितग्राहियों को कुल आवंटन 13114 मेट्रिक टन मात्रा के विरुद्ध मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजनान्तर्गत कार्यरत परिवहनकर्ता के वाहन से खाद्यान्न उठाव कर शा.उ.मूल्य. दुकान पर सतत् किया जा रहा है एवं कुल आवंटन 13114 मे.टन मात्रा में से 25 प्रतिशत का वितरण किया जा चुका है जोकि राज्य स्तरीय रैंक में 08 वे स्थान पर है। शेष वितरण कार्य भी किया जा रहा है।

जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों से 3 माह (जून, जुलाई एवं अगस्त, 2025) पात्रतानुसार अन्त्योदय परिवार को कुल खाद्यान्न (गेहूँ चावल) 105 कि.ग्राम प्रति परिवार (नि:शुल्क), नमक 3 कि.ग्रा. (सह-शुल्क 3 रूपये) एवं शक्कर 3 कि.ग्रा. (सह-शुल्क 60 रूपये) तथा प्राथमिकता श्रेणी अन्तर्गत खाद्यान (गेहें+चावल) 15 कि.ग्रा. प्रति सदस्य एवं नमक - 3 कि.ग्रा. (सह-शुल्क 3 रूपये) मात्रा में राशन वितरण किया जा रहा है।

जिले में 89 प्रतिशत हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है। जिले में कुल 204448 पात्र परिवारों के कुल 825227 हितग्राहियों में से वर्तमान में 730731 सदस्यों की ईकेवायसी पूर्ण की जा चुकी है जो कि 89 प्रतिशत है एवं शेष हितग्राहियों की ईकेवायसी तीन माह के राशन वितरण के साथ ही जा रही है ।

उक्त वितरण प्रक्रिया के तहत जून 2025 में,पीओएस मशीन पर हितग्राहियों का तीन बार बायोमेट्रिक सत्यापन उपरांत राशन का वितरण किया जा रहा है। जिले के कुल 204448 पात्र परिवारों के कुल 825227 हितग्राहियों को कुल आवंटन 13114 मेट्रिक टन मात्रा के विरुद्ध मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजनान्तर्गत कार्यरत परिवहनकर्ता के वाहन से खाद्यान्न उठाव कर शा.उ.मूल्य. दुकान पर सतत् किया जा रहा है एवं कुल आवंटन 13114 मे.टन मात्रा में से 25 प्रतिशत का वितरण किया जा चुका है ।

मृत व्यक्तियों की आइडी पोर्टल से हटाने का काम शुरू

परिवार के शेष सदस्यों की ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं। मोबाइल पर प्राप्त स्म्स संदेश के अनुसार राशन सामग्री का मिलान करें। राशन प्राप्त करते समय क्क्स मशीन से प्राप्त पावती अवश्य लें। जिन सदस्यों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं हुई है, उनकी पात्रता ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद ही मशीन में प्रदर्शित होगी।

स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की जागरूकता के लिए आज निकलेगी वाहन रैली

बैतूल, देशबन्धु। स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की जागरूकता के लिए 14 जून को ओपन ऑडिटोरियम से रक्तदान जागरूकता वाहन रैली निकाली जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाडे ने बताया कि रैली को जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झंडी दिखाई जायेगी। यह वाहन रैली ओपन ऑडिटोरियम से होते हुए कारगिल चौक, लिंक रोड, टिकारी, लल्ली चौक, कोठी बाजार, बस स्टैंड, पेट्रोल पम्प, शिवाजी चौक, गंज तांगा चौक, मैकेनिक चौक, गुरुद्वारा रोड होते हुये चिकित्सालय बैतूल पर समाप्त होगी। रैली में जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, वरिष्ठ नागरिक, प्रबुद्धजन, स्वयं सेवी संस्थाऐं, कोचिंग इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्रा, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहेंगे। सीएमएचओ डॉ हुरमाडे ने सभी बैतूलवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आए।

गायत्री परिवार की विचार गोष्ठी 15 जून को बैतूल में

बैतूल। गायत्री परिवार जिला समन्वय समिति की जिला स्तरीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा एवं जिला सह-समन्वयक रविशंकर पारखे ने बताया कि गायत्री परिवार की जिला स्तरीय विचार गोष्ठी 15 जून रविवार को दोपहर 2 बजे से गायत्री शक्तिपीठ बैतूल में आयोजित की गई है। इसमें पर्यावरण संरक्षण, बाल संस्कारशाला व नशा मुक्ति अभियान के लिए योजना बनाई जाएगी। इस विचार गोष्ठी में जिला समन्वय समिति के सदस्य व तहसील समन्वयक प्रतिवेदन व आवश्यक जानकारी लेकर उपस्थित होंगे।

वंश वृद्धि समय है अभी: 15 अगस्त तक इंदिरासागर व ओंकारेश्वर जलाशयों में मत्स्याखेट पर रहेगा प्रतिबंध

हरदा, देशबन्धु। हरदा ,वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) की दृष्टि से उन्हें संरक्षण देने हेतु मध्यप्रदेश के सभी जल संसाधनों में म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत प्रतिवर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया है। क्षेत्रीय प्रबन्धक, म.प्र. मत्स्य महासंघ मर्यादित इंदिरा सागर जलाशय, नर्मदानगर ने आदेश जारी कर म.प्र. मत्स्य महासंघ के अधीन इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में भी 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक में सभी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय, मत्स्य विनिमय अथवा मत्स्य परिवहन प्रतिबंधित किया है। जारी आदेश अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर मत्स्य प्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या पाँच हजार रूपये जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है। उन्होने बताया कि 16 जून से 15 अगस्त 2025 की अवधि में इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट व मत्स्य परिहवन न तो स्वयं करें और न हीं किसी को करने दें।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट प्रतिबन्धित

बैतूल । कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मत्स्य प्रजनन काल 16 जून से 15 अगस्त 2025 की अवधि बंद ऋतु घोषित की गई है, जिसमें मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य विपणन पूर्णत: प्रतिबंधित है। यह प्रतिबंध मध्यप्रदेश में मत्स्योद्योग विकास एवं मत्स्य संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम 1948 की धारा-3 के अंतर्गत नदीय नियम 1972 की धारा 3 की उप धारा (2) के तहत लगाया गया है।

एक दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर आज, भाभा आईडी बनाई जाएगी

हरदा,देशबन्धु। शहर के विकास नगर वार्ड क्रमांक 34 में स्थित नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में शनिवार को एक दिवसीय आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में हितग्राहियों की नि:शुल्क स्वास्थ जांच एवं दवाओं का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। शिविर में सभी हितग्राहियों का विशेषकर असंचारी रोगों जैसे टी.बी., मलेरिया, हाईपरटेंशन, डायबिटिज, हिपेटाईटिस, डेंगू इत्यादि का परिक्षण किया जाएगा तथा आभा आईडी बनाई जाएगी।

खेड़ी सावलीगढ़ रेंज के ग्राम जामली में वन विभाग की छापामारी

अवैध सागौन से बनी चौखट फिट करते समय की जब्त

हरदा, देशबन्धु। पश्चिम बैतूल वनमंडल के अंतर्गत खेड़ी सावलीगढ़ परिक्षेत्र के ग्राम जामली में वन विभाग ने एक सटीक और सुनियोजित छापामारी अभियान चलाया। यह अभियान विश्वसनीय सूचना पर आधारित था, जिसके तहत दो टीमों का गठन कर छापेमारी की गई। पहली टीम ने शोभन नामक व्यक्ति के घर की तलाशी ली, जहां अवैध रूप से सागौन लकड़ी से बनी खिड़कियां और दरवाज़ों की चौखटें फिट की जा रही थी। दूसरी टीम ने आरोपी शोभन के मुख्य निवास पर मारा छापा, जहां से कुल 0.382 घन मीटर सागौन लकड़ी बरामद की गई। इसमें से 0.196 घन मीटर लकड़ी जब्त की गई, जबकि 0.186 घन मीटर लकड़ी आरोपी शोभन की सुपुर्दगी में दी गई। पूछताछ के दौरान आरोपी शोभन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जो यह सिद्ध कर सके कि उक्त लकड़ी वैध रूप से प्राप्त की गई थी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि लकड़ी का कटाव अवैध था और उसे बिना किसी प्रमाण के बाजार में बेचा जा रहा था। वन अधिनियम का मामला दर्ज

इस मामले में भारतीय वन अधिनियम, 1927 और मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम, 1984 के अंतर्गत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर प्राथमिक सूचना पत्र जारी किया गया है। यह छापामारी मुख्य वन संरक्षक, बैतूल सर्कल, कु. बासु कन्नौजिया और वनमंडलाधिकारी पश्चिम बैतूल, वरुण कुमार यादव के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्रवाई को साऔलीगढ़ रेंज की टीम ने तत्परता और प्रभावी तरीके से अंजाम दिया।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का त्वरित व संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। शिकायत निराकरण से पूर्व आवेदक से फोन पर चर्चा अवश्य करें तथा किये गये निराकरण को पोर्टल पर अपडेट करें।

यह निर्देश कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि जिन मामलों में आवेदक को अपात्रता है तो उसे इस संबंध में लिखित में बता कर शिकायत बंद करा दें। जिन आवेदनों में आवेदक को चाही गई सेवा के संबंध में पात्रता है, तो समय सीमा में उसे सेवाएं उपलब्ध कराएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

सामाजिक जन कल्याण समिति ने वृद्धाश्रम में कराया भोजन, बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद, जारी रहेगा सेवाकार्य

बैतूल, देशबन्धु। सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल द्वारा 13 जून को सतपुड़ा उत्थान समिति वृद्धाश्रम उड़दन में वृद्धजनों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य में समिति के अध्यक्ष सूरजलाल मंडलेकर, सचिव शिवदयाल चौकीकर, कोषाध्यक्ष अजाबराव भूमरकर एवं समिति के सक्रिय सदस्यगण दयाराम झरबडे, मानक प्रसाद वाईकर, नत्थू प्रसाद चौकीकर, रायमल वरवड़े, रामदास पंडाग्रे, शेषराव वाईकर, ओपी चंदेल, कृष्णराव उबनारे, बुधराव वाईकर, द्वारका प्रसाद बिसंद्रे, एनके मांडवे, रमेश उपराले, रामशंकर आंवलेकर, रामदास पाटील, बाबूराव शेषकर, सरजेराव पाटील, माणिकराव कापसे, पंजाब राव अतुलकर, पंजाब राव भालेकर, जगदीश वाईकर, एमएल चौरासे तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने वृद्धजनों

को ससम्मान भोजन वितरित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आश्रम के मनोज कुमार बिष्ट भी मौजूद रहे। समिति द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की उपस्थितजनों एवं वृद्धाश्रम परिवार ने सराहना की। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य जारी रहेंगे।

विधायक डॉ. दोगने ने किया फायर फाईटर पानी टैंकर का वितरण

हरदा, देशबन्धु। ग्रामीण क्षेत्रों मे पेय जल की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीणजनों की मांग पर हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने विधायक निधि से 12 फायर फाईटर पानी टैंकर का वितरण किया । उक्त पानी टैंकर मिनी फायर बिग्रेड का काम करेगें। जिससे ग्रीष्मऋतु के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली आगजनी की घटनाओं को नियंत्रित किया जा सकेगा। वितरीत किए गए टैंकर में विकास खण्ड हरदा के ग्राम मांगरूल, गोला, बीड़, रिजगांव, सेनगुड, करनपुरा, नहाड्या, नहालखेड़ा, पलासनेर,

ऊंटपड़ाव, सोनतलाई, बैडागांव को एक सादे समारोह के दौरान सरपंच, सचिव व अन्य ग्रामीणजनों की उपस्थिति में प्रदत्त किये गये। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष पटेल, राजेश पटेल, राहुल पटेल, गौरीशंकर शर्मा, ओमप्रकाश विश्नोई, गोविन्द जाट सोनतलाई, मुकेश लोल, अजय राजपूत, बृज विश्नोई, संजय जैन, भूपेश बाबल, सुमेर सरपंच, शिवराम पूर्व सरपंच, बृजेश ठाकुर, भगवानदास सोलंकी, पूनम यादव सहित बडी संख्या मे ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कमिश्नर की अध्यक्षता में खनिज एवं वन विभाग की संभाग स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

हरदा, देशबन्धु। वन क्षेत्रों में अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से वन क्षेत्र से बाहर, लेकिन वन सीमा से 250 मीटर के अंदर क्षेत्र में खनिज के महत्व व उपलब्धता को देखते हुए खनि पट्टा स्वीकृत करने के संबंध में विचार करने हेतु राज्य शासन द्वारा 'संभाग स्तरीय समिति' का गठन किया गया है। जिला खनिज अधिकारी आर. पी. कमलेश ने बताया कि इस समिति के अध्यक्ष संभागायुक्त होते हैं। इस समिति में मुख्य वन संरक्षक, संबंधित जिले के कलेक्टर एवं वन मंडल अधिकारी तथा जिला खनिज अधिकारी को भी शामिल किया गया है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट हरदा के सभाकक्ष में कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य वन संरक्षक अशोक कुमार, कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, वन मंडल अधिकारी अनिल चोप?ा के अलावा नर्मदापुरम के जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम एवं हरदा जिले के खनिज अधिकारी आर. पी. कमलेश और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारीगण भी मौजूद थे। जिला खनिज अधिकारी श्री कमलेश ने बताया कि बैठक में हरदा जिले में वनक्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में खनिज उत्खनन के लिए खनि पट्टा देने हेतु लंबित आवेदनों का निराकरण किया गया।

जिले में 1 से 26 जून तक वृहद स्तर पर चलाया जा रहा नशा मुक्त भारत अभियान

हरदा, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा नशा मुक्ति भारत अभियान तहत नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिये गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने अभियान के सफल आयोजन के लिये अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है। उप संचालक श्री सिंह ने बताया कि ''नशा मुक्ति भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस बार युवाओं के लिए रील मेंकिंग प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का भी ऑनलाइन आयोजन किया जायेगा। साथ ही बहरूपिया बनाकर गांव-गांव, हाट, बाजार, चौक पर नशा मुक्ति पंपलेट का वितरण भी किया जा रहा है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थान कलेक्टर कार्यालय, पी एम श्री कालेज एवं मेले में सेल्फी प्वाइंट और हस्ताक्षर अभियान भी चला जा रहा है। इस अभियान के तहत खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिले में खेलकूद प्रतियोगिताओं फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, हैंडबॉल एवं ग्रामीण स्कूलों में रस्सा खींच प्रतियोगिता एवं मैराथन दौ? का आयोजन भी किया जा रहा है।

अभियान के तहत 'शिक्षा विभाग को जिले के विभिन्न विद्यालयों में पोस्टर निर्माण, रंगोली, प्रतियोगिता, अपनों के नाम पाती, निबंध लेखन एवं महाविद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, हॉस्टल में संगोष्ठी जैसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी निर्देशित किया गया है। अभियान के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्ति संबंधी क्लासेस और सेशंस लगाए जा रहे हैं, जिससे नशा मुक्ति प्रदेश, जिला और देश बनाया जा सके वहीं दूसरी ओर गायत्री शक्तिपीठ के सभी कार्यकर्ताओ द्वारा ब? पैमाने पर घूम-घूम कर जन जागरूकता अभियान के प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं। जिले में संचालित सार्थक सेवा आश्रय समिति वृद्ध जनों एवं युवाओं के बीच समन्वय स्थापित कर शपथ ग्रहण कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन कर रही है। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञ भी केंद्र में आने वाले दिव्यागजनों उनके अभिभावक को नशे से बचाव के लिए जागरूक कर रहे है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

अशफाक अहमद सुन्नी ईदगाह जामा मस्जिद कमेटी के सदर चुने गये

इटारसी, देशबन्धु। सुन्नी ईदगाह जामा मस्जिद के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से अशफाक अहमद खत्री को चुन लिया गया है। आज 13 जून को जुमे की नमाज के बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें मस्जिद में मौजूद अवाम ने आपसी राय से अशफाक अहमद खत्री को सदर के लिए तय किया। चुनाव के बाद मौजूद तमाम अवाम ने अशफाक अहमद को मुबारकवाद और सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

डॉ विनोद निगम स्मृति: गीतों के गांव चले आए कार्यक्रम आज होगा

नर्मदापुरम,देशबन्धु। हिन्दी नवगीत के प्रतिष्ठित हस्ताक्षर, नर्मदांचल के सर्वप्रिय कवि डॉ. विनोद निगम का पुण्य स्मरण प्रसंग-2 के तहत 'गीतों के गांव चले आए' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम शनिवार की अपरान्ह साढ़े 3 बजे से पंडित रामलाल शर्मा हायर सेकेंड्री स्कूल नर्मदापुरम में शुरू होगा। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता सप्तक मित्र समूह के संयोजक सुरेश उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गीतकार लखनऊ के डॉ. सुरेश कार्यक्रम होंगे, अध्यक्षता पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा करेंगे। जबकि आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में देश के वरिष्ठ साहित्यकार एवं मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पलाश सुरजन, प्रसिद्ध चित्रकार एवं कथाकार मनोज कुलकर्णी शामिल होंगे। श्री उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पांजली के साथ होगी। अतिथि सत्कार के बाद डॉ. विनोद निगम की कविता पर अशोक जमनानी का उद्बोधन होगा। तत्पश्चात डॉ. नमन तिवारी द्वारा डॉ. विनोद निगम के गीत पर संगीतमय गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। उसके उपरांत विशिष्ट अतिथियों को उद्बोधन होगा, बाद में मुख्य अतिथि द्वारा गृहविज्ञान महाविद्यालय में एमए हिंदी में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा का सम्मान किया जाएगा। साहित्यकार डॉ. कृष्ण गोपाल मिश्र के कविता पाठ के बाद अध्यक्षीय उद्बोधन होगा। अंत में निगम जी के गीत के साथ डॉ. संजय गार्गव द्वारा आभार प्रदर्शन व कार्यक्रम का समापन होगा।

आधार पंजीयन हेतु ऑपरेटर्स के चयन के लिये आवेदन 20 तक करें

हरदा,देशबन्धु। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी परियोजना अधिकारी कार्यालयों को स्थाई आधार पंजीयन केन्द्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। महिला एवं बाल विकास के अधीन कार्यरत परियोजनाओं में आधार मशीनों के संचालन के लिये हरदा परियोजना में 6, खिरकिया में 2 व टिमरनी परियोजना में 2 ऑपरेटर्स का चयन किया जाना है। इसके लिये न्यूनतम योग्यता कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण तथा आधार परीक्षा उत्तीर्ण होने के साथ-साथ हरदा जिले का निवासी होना आवश्यक है।

चिकित्सकों का सम्मेलन 15 को

हरदा , देशबन्धु। इंडियन मेडिकल एसोशिएसन द्वारा 15 जून को होटल हवेली में चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि यह पहला अवसर होगा जब जिले में 16 से अधिक सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर एक ही मंच पर एकत्रित होंगे। सम्मेलन में भोपाल से प्रमुख वक्ताओं में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित भटनागर व डॉ. माधुरी नागोरी, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. हर्षिता शर्मा, कार्डियक सर्जन डॉ. दिलीप राठौर, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. स्वप्निल गार्डे, न्यूरोसर्जन डॉ. राहुल जैन, गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिस्ट डॉ. पियूष मनोरिया, डॉ. प्रॉमिस जैन, सीनियर फिजीशियन डॉ. अतुल्य सौरभ, एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. मयूर अग्रवाल, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शैली माहेश्वरी, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मेघना पवार तथा डेंटिस्ट डॉ. प्रीयेश अग्रवाल शामिल होंगे। अध्यक्षता डॉ. एच. पी. सिंह करेंगे, जबकि आयोजक सचिव डॉ. मनीष शर्मा और डॉ. अमित चौधरी होंगे। सम्मेलन में सभी सरकारी डॉक्टरों की सहभागिता होगी।

प्रतिबंधित अवधि में शहर में चार पहिया वाहनों का प्रवेश जान का जोखिम, भारी वाहनों के प्रवेश नियम भूली पुलिस, सिर्फ वसूली पर ध्यान

नहीं थम रहा दिन में भारी वाहनों का प्रवेश, यातायात के लिए बने मुसीबत

इटारसी, देशबन्धु। प्रतिबंधित अवधि में शहर में चार पहिया वाहनों का प्रवेश जारी है। ट्रैफिक पुलिस केवल दुपहिया वाहनों पर चालानी कार्रवाई के अलावा कभी शहर के बाजार की व्यवस्था सुधारने में रुचि नहीं लेती, क्योंकि वहां से राजस्व नहीं मिलता। लेकिन, पुलिस चाहे तो जो वसूली अभी की जा रही है, उससे अधिक राजस्व बाजार से मिल जाए। लेकिन, यहां चाहत की बात है।

शहर के भीतर संकरी गलियों में संचालित ट्रांसपोर्ट गोदामों में माल की लोडिंग-अनलोडिंग दिनभर चलती है। इनसे कई बार ट्रैफिक पुलिस कर्मियों का दोस्ताना मिलन देखा जा सकता है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर शून्य है। जब दोस्ताना गाढ़ा हो तो फिर कार्रवाई कैसी ? सारा दिन लोडिंग-अनलोडिंग, भारी वाहनों का संकरी गलियों, लाइनों में प्रवेश चलता है और ये सारे वाहन पुलिस थाने के सामने से और ट्रैफिक चौकी के सामने से होकर गुजरते हैं। लेकिन मजाल है कि ट्रैफिक पुलिस को ये दिख जाएं।

अघोषित पार्किंग स्थल बना जयस्तंभ चौक

इटारसी का बाजार क्षेत्र उचित पार्किंग व्यवस्था के लिए तरस रहा है। चार पहिया व दुपहिया वाहनों से बाजार आने वाले ग्राहकों के लिए अपने वाहन सुरक्षित पार्क करना बड़ी समस्या बनती जा रही है। शहर में कई सालों बाद भी नगर पालिका द्वारा अभी भी मख्य बाजार क्षेत्र के जयस्तंभ चौक के आसपास वाले मार्गों पर चार पहिया वाहनों के लिए कोई उचित पार्किंग व्यवस्था नहीं की गई है। बाजार क्षेत्र में चार पहिया एवं तीन पहिया वाहनों के लिए नो पार्किंग सूचना बोर्ड अवश्य लगा दिए गए हैं। ऐसे में वाहन चालक जयस्तंभ चौक पर ही अपने वाहन पार्क कर देते हैं, जिससे यहां अक्सर यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है।

बाजार में पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं

शहर में आबादी बढ़ने के साथ ही व्यस्ततम बाजार क्षेत्र में इतने लंबे समय के बाद भी नगर प्रशासन द्वारा अभी तक कोई भी अधिकृत पार्किंग व्यवस्था नहीं की जा सकी है, जिसके चलते आए दिन देखने में आता है कि बाजार क्षेत्र में उचित पार्किंग के अभाव में चार पहिया वाहनों से लेकर दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा सड़कों के किनारे जहां जगह मिलती है वहीं पर वाहन खड़े कर दिए जा रहे हैं, जिससे अधिकांश बाजार क्षेत्र में दिनभर पैदल चलने वाले लोगों को यहां वहां वाहनों के खड़े रहने से आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

लाइनों में बड़ी दिक्कत

बाजार एरिया से सटा लाइन एरिया में संकरी गलियों में ज्यादातर गोदाम, एजेंसी आफिस, ट्रांसपोर्ट आफिस आदि होने से यहां दिनभर भारी वाहनों का आवागमन होता रहता है। घंटों माल की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं जिससे वहां रहने वालों के लिए मुसीबत का सबब बनते हैं। आज ही 11 वी लाइन में अधिवक्ता अशोक शर्मा ने घंटों खड़े ट्रक से रास्ता बंद होने की सूचना सोशल मीडिया पर देकर अपनी पीड़ा जाहिर की थी, लेकिन ट्रैफिक अमले को इतनी फुर्सत नहीं कि इसका संज्ञान लेकर वे व्यवस्था सुचारू करें। कभी-कभार यदि आला अधिकारी देखकर किसी को भेज दें तो यह भी अपवाद है, ज्यादातर तो जनता को परेशान ही रहना पड़ता है।

एमजीएम कॉलेज ने विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान जागरूकता व्याख्यान एवं रैली निकाली

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी के राष्ट्रीय कैडेट कोर ने विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान जागरूकता विषय पर व्याख्यान एवं रैली का आयोजन किया।

इस अवसर पर शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय इटारसी के ब्लड बैंक से लैब टेक्नीशियन मोहन सोलंकी आमंत्रित थे। उन्होंने अपने व्याख्यान में रक्तदान का महत्व, रक्तदान के फायदे, रक्तदान की आवश्यकता और रक्तदान से संबंधित भ्रांतियां और गलतफहमियों पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि रक्तदान से पूर्व रक्तदाता को ब्लड स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना पड़ता है जिससे अगर उसे एचआईवी, हेपेटाइटिस बी एंड सी, सिफीलिस या मलेरिया बीमारी है तो वह रक्तदान नहीं कर सकता है। उन्होंने बताया कि चार प्रकार के ब्लड ग्रुप होते हैं ८, क्क,क्कऔर ह्व जिसमें पॉजिटिव ओर नेगेटिव इस प्रकार से आठ प्रकार के ब्लड ग्रुप बनते हैं। ह्व पॉजिटिव यूनिवर्सल डोनर होता है और,क्कयूनिवर्सल रिसीवर जो किसी से भी रक्त ले सकता है। एक बार में 350 द्रव्य रक्त लिया जाता है उसे 36 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता ने बताया कि रक्त हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अवयव है, रक्त की बूंदें कैसे बनती हैं, क्या स्ट्रक्चर है इनका काम क्या है। उन्होंने कहा कि हीमोग्लोबिन हमारे रक्त का महत्वपूर्ण अवयव है। हीमोग्लोबिन का स्तर शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने पर एनीमिया नामक स्थिति हो सकती है, जिसके लक्षण थकान, कमजोरी और सांस लेने में कठिनाई हैं। इसलिए अपनी डाइट में काले चने, चुकंदर, गाजर, और रसीले फलों को शामिल करें। अंत में उन्होंने महाविद्यालय के स्टाफ एवं एनसीसी के कैडेट्स को रक्तदान के लिए आह्वान किया चूंकि रक्तदान किसी के बेहतर स्वास्थ्य और जीवन देता है उससे हमें खुशी और आनंद प्राप्त होता है। रक्तदान करते समय सावधानी रखें की सिरिंज नई हो। ज्योतिषी के अनुसार ब्लड डोनेशन से ग्रह शांति मिलती है, आदि बातें अपने व्याख्यान में कही।

कार्यक्रम के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए महाविद्यालय के प्रांगण तक रक्तदान जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें रक्तदान जीवनदान, रक्तदान महादान के नारे के साथ आमजन को रक्तदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता, एनसीसी आफिसर डॉ मनीष चौरे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रश्मि तिवारी, डॉ. ओपी शर्मा, डॉ दिनेश कुमार, कार्तिक पटेल एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

स्कूल प्राचार्य से की पूर्व जैसे ही फीस व्यवस्था करने की मांग

इटारसी, देशबन्धु। शहर के उपनगर न्यू यार्ड में संचालित होने वाले पश्चिम मध्य रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य से ग्राम पंचायत मेहरागांव के पंच शेख फारूख और बच्चों के अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल में जैसे पहले फीस जमा होती थी। उसी व्यवस्था के अनुसार फीस जमा कराई जाए। वहीं न्यूयार्ड क्षेत्र वासियों द्वारा स्कूल प्रबंधन के इस मनमाने नियम का विरोध किया गया।

बताया जा रहा है कि पिछले सालों से एक नियम बच्चों के अभिभावक पर जबरिया थोपा जा रहा है। रेलवे स्कूल प्रबंधन के इस नियम के तहत अभिभावक को एक साल की पूरी फीस जमा करना है और यदि अभिभावक फीस नहीं दे पाए तो जुर्माना लगेगा। जो कि गलत है क्योंकि बहुत सारे बच्चों के अभिभावक परेशान है। इतना ही नहीं जिस परिवार के दो बच्चे स्कूल में अध्यनरत हैं उन पर तो इस नियम के वजह से आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। जिसको लेकर मेहरागांव पंचायत के पंच फारुख शेख एवं न्यू यार्ड क्षेत्रवासियों द्वारा रेलवे स्कूल के प्राचार्य और प्रबंधन से इस मनमाने नियम को वापस लेने की मांग की है। स्कूल प्रबंधन से पूर्व की तरह ही थी इसकी व्यवस्था को यथावत रखने की मांग की गई है।

श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति की बैठक कल

इटारसी, देशबन्धु। श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति की मासिक बैठक का आयोजन आगामी 15 जून को श्रीयादव भवन पर किया गया है। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष आरके यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व यादव समाज की महिला-पुरुष एवं युवाओं की संयुक्त बैठक 15 जून रविवार को दोपहर पश्चात 4 बजे से श्रीयादव भवन इटारसी पर आयोजित की गई है।बैठक में मासिक आय-व्यय पर चर्चा के साथ ही श्रीयादव भवन में चल रहे नवनिर्माण एवं सुधार कार्यों पर उपस्थित यदुजनों से चर्चा की जाएगी।

हॉकी खिलाड़ियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे पर जताया शोक, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

इटारसी, देशबन्धु। अहमदाबाद में गुरुवार, 12 जून को दर्दनाक प्लेन हादसे में 265 लोगों की जान चली गई। एयर इंडिया का प्लेन टेक ऑफ करने के पांच मिनट बाद ही क्रैश हो गया जिसमें 242 लोग सवार थे। इनमें 241 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे ने खेल जगत को भी झकझोर दिया है। आज गांधी मैदान पर हॉकी का प्रशिक्षण लेने आए बच्चे, सीनियर्स और कोच ने घटना पर शोक जताते हुए सभी मृतक यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देकर उनके परिजनों को इस हादसे से उबरने में मदद करने ईश्वर से कामना की है और उनके परिवार वालों के प्रति सांत्वना जाहिर करने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। इससे पहले कोच और जिला हॉकी संघ सचिव कन्हैया गुरयानी ने बच्चों को प्लेन हादसे के विषय में जानकारी दी और सभी से दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से सभी की आत्मा की शांति के लिए कामना करने को कहा।

अच्छी बारिश की कामना कर लगाया भगवाल झूलेलाल को मीठे चावल का भोग, प्रसाद वितरण

इटारसी, देशबन्धु। नगर में पूज्य पंचायत सिंधी समाज के तत्वावधान में झूलणं सेवा समिति ने अच्छी बारिश की कामना लेकर मीठे चावल का वितरण पुराना फल बाजार स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर के पास किया। बाजार आए अनेक लोगों ने मीठे चावल का प्रसाद ग्रहण किया। समाज ने भगवान वरुणदेव से अच्छी बारिश की कामना की।

पूज्य पंचायत सिंधी समाज एवं झूलणं सेवा समिति के पदाधिकारियों ने भगवान झूलेलाल को मीठे चावल का भोग लगाया। समाज ने पुराने फल बाजार स्थित भगवान श्री झूलेलाल मंदिर में पहुंचकर विशेष पूजा अर्चना के साथ मीठे चावल के प्रसाद का भोग लगाया। इसके पश्चात मीठे चावल का वितरण किया।

बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मीठे चावल का महाप्रसाद ग्रहण कर किया। इस अवसर पर पूज्य पंचायत सिंधी समाज एवं झूलन सेवा समिति के पदाधिकारी में गोमा खिलवानी, गोपाल सिद्धवानी, महेश वालेचानी, वासुदेव खुरानी, देवानंद लखानी, देवानी गौरव फुलबानी, विशाल गंगलानी, सौरव शिवनानी, जगदीश जिज्ञासी, इंद्र शिवदासानी, नंदलाल देवानी, मप्पन लालवानी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, सफाईकर्मी गायब

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने आज शहर के प्रमुख बाजारों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों और स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और सफाई को लेकर उनके सुझाव और समस्याओं को सुना।

- स्वच्छता प्रभारी को नोटिस जारी करने के दिये निर्देश
- जयस्तंभ से फल बाजार तक फल के ठेले भी देखे

शाम 5 बजे के करीब पंकज चौरे ने अपने दल-बल के साथ स्थानीय बाजार का दौरा किया। उन्होंने सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा प्रबंधन और स्वच्छता की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें कोई भी स्वच्छता कर्मी नजर नहीं आया।

निरीक्षण के दौरान, अध्यक्ष चौरे ने कई स्थानों पर सफाई दारोगा को निर्देशित किया कि वे कचरे का उचित निपटान करें और यह सुनिश्चित करें कि कूड़ेदान नियमित रूप से खाली किए जाएं। उन्होंने कुछ जगहों पर गंदगी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पंकज चौरे ने कहा, शहर की स्वच्छता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम चाहते हैं कि हमारे बाजार न केवल व्यापार का केंद्र हों, बल्कि साफ-सुथरे और स्वच्छ भी दिखें। मेरा यह निरीक्षण सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए है।

उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के बाहर कचरा न फैलाएं और नगर पालिका द्वारा चलाई जा रही कचरा गाड़ी का ही उपयोग करें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि नगर पालिका सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और इसमें नागरिकों का सहयोग भी अपेक्षित है।

रजिस्टर देखा, सफाई कर्मचारी नहीं दिखाई दिए

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सफाई कर्मचारियों का रजिस्टर भी देखा और स्वच्छता प्रभारी से कहा कि एक भी व्यक्ति दोपहर की पाली में नहीं आया, सभी की अनुपस्थिति लगाओ और नोटिस जारी कर दें कि काम पर नहीं आयेंगे तो सेवा समाप्ति की करवाई की जाएगी।

जीरो शैडो डे का असल विज्ञान बताने को सारिका ने लगाई विज्ञान चौपाल

13 को दक्षिणी भाग से आरंभ होकर 14 को जीरो शैडो डे उत्तरी भोपाल में

इटारसी, देशबन्धु। पृथ्वी के झुकाव के साथ परिक्रमा करते रहने से सूर्य हर साल के छह महीने मकर रेखा से कर्क रेखा की जाता दिखता है। इस दौरान वह अलग अलग दिनांक को किसी खास शहर के ठीक ऊपर होता है। आज से यह बारी राजधानी भोपाल की है। सूर्य मध्यान्ह में ठीक आपके सिर के ऊपर आने की खगोलीय घटना होने जा रही है।

इस स्थिति में किसी भी वस्तु की छाया उसके ठीक आधार के नीचे बनती है जिससे लगता है कि छाया गायब हो गई है। इसकी वैज्ञानिक जानकारी देने नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने विज्ञान चौपाल का आयोजन किया। इसमें बच्चों को सारिका ने बताया कि इसे जीरो शैडो डे कहा जाता है। इसके लिये जमीन में किसी सीधी छड़ की दोपहर में गायब होती परछाई का डाटा लेना बच्चों को बताया।

सारिका ने बताया कि इस वर्ष सूर्य कर्क रेखा पर 21 जून को पहुंचेगा और वापस मकर रेखा की ओर अपनी वापसी यात्रा आरंभ करेगा। इस कारण यह 28 जून को दोबारा इस ही स्थिति में होगा। मकर रेखा और कर्क रेखा के बीच स्थित स्थानों पर यह घटना साल में दो बार होती है।

सारिका ने बताया कि चूंकि भोपाल उत्तर से दक्षिण की ओर फैला एक बड़े क्षेत्रफल का शहर है इसलिये औसत रूप से यह घटना 14 जून को होती है। 13 जून को यह शहर के दक्षिणी भाग में आरंभ होती है। तो महसूस कीजिये ऊंचे टॉवर, इमारत और आपकी स्वयं के साया को साथ छोड़ते हुये कुछ पल के लिये।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिजली अघोषित कटौती एवं कम वोल्टेज की समस्या से आम नागरिक परेशान : ओम पटेल

हरदा, देशबन्धु। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी से जहां लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है, वहीं बिजली की अघोषित कटौती से आमजन त्रस्त हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओम पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एक ओर तो प्रदेश की भाजपा सरकार 24 घंटे बिजली देने की बात करती है, घरेलू एवं व्यावसायिक उपभोक्ताओं का प्रति यूनिट बिजली का बिल लगातार बढ़ाया जा रहा है, वहीं बिजली की अघोषित कटौती लगातार जारी है। अघोषित बिजली कटौती से आम जनता का जीवन दूभर होता जा रहा है। शहरी क्षेत्र में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पूरे साल, हर दिन मेंटेनेंस की बात करती है। मेंटेनेंस के नाम पर साल भर बिजली कटौती किए जाने के बाद भी लाइनों में फॉल्ट होना, डीपी ब्लास्ट होने जैसी घटनाएं आम हैं।

अघोषित बिजली कटौती से शहरी एवं ग्रामीण निवासियों एवं किसानों को अत्यधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। दिन में दो से चार घंटे तक बिजली गुल रहती है। जहां बिजली रहती है, वहाँ वोल्टेज बहुत कम होता है, जिससे किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या मोटर लोड नहीं ले पा रहे हैं। बिजली गायब रहने से कई कामकाज ठप पड़े हैं। बिजली जाने की शिकायतें भी अब स्थानीय स्तर पर दर्ज नहीं की जाती हैं। विद्युत वितरण कंपनी के घंटों तक नंबर लगाने के बाद भी शिकायतें दर्ज नहीं हो पाती हैं।

4 स्टाम्प वेंडर व 2 सेवा प्रदाताओं के लायसेंस निलंबित

हरदा,देशबन्धु। जिला पंजीयक दिनेश कुमार कौशले ने न्यायालय परिसर हरदा एवं आसपास में स्थित लायसेंसधारी 4 स्टाम्प वेंडर एवं 2 सेवा प्रदाताओं के कार्य स्थल के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये जाने पर लायसेंस निलंबित करने के आदेश जारी किये है। जिन स्टाम्प वेंडर्स के लायसेंस निलंबित किये गये हैं उनमें न्यायालय परिसर हरदा में स्थित सुशांत मिश्रा, जयशंकर दुबे, बसंत राजपूत व संदीप शर्मा शामिल है।

अभिमत

हम संख्याओं और विवादों से परे जाएं जिनमें से कुछ छोटे-छोटे दोष जान-बूझकर निकालने की तरह लग सकते हैं। यह स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक विकास सभी लोगों के जीवन की बेहतरी की ओर अग्रसर है। विश्व बैंक ने नोट किया है कि अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों में से दो तिहाई लोग पांच राज्यों से आते हैं।

अब आजीविका और नौकरियों पर ध्यान केंद्रित हो

डॉ.अजीत रानाडे

विश्व बैंक के हाल के अनुमान में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 2011-12 में 34.40 करोड़ से घटकर 2022-23 में 7.50 करोड़ हो गई। यानी 11 वर्षों में 26.90 करोड़ लोगों ने अत्यधिक गरीबी की दहलीज पार कर ली है। यह काफी प्रभावशाली और प्रशंसनीय है। गरीबी रेखा के संदर्भ में अत्यधिक गरीबी की क्रय शक्ति समायोजित एक तकनीकी परिभाषा है जिसे 2021 तक अपडेट किया गया है। अब यह 3 डॉलर प्रतिदिन है। गरीबी की एक अन्य संबंधित अवधारणा बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (मल्टी डाईमेंशनल इंडेक्स-एमपीआई) के साथ घनिष्ठ संबंध रखने और उन्नत सर्वेक्षण के माध्यम से सटीक उपभोग आंकड़े एकत्र करने में भारत के लिए अपने सुधार का संज्ञान लेने के लिए भी इस अपडेट की आवश्यकता थी। गैर-तकनीकी शब्दों में विश्व बैंक की अत्यधिक गरीबी का अर्थ है ऐसे व्यक्तियों की आय इतनी कम होना है कि वह भोजन, स्वच्छ पानी, आश्रय और बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल की अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकता है।

इस तरह की कम आय की अभिव्यक्ति दीर्घकालिक भूख या अल्पपोषण, स्वच्छता तक पहुंच की कमी व बुनियादी प्राथमिक शिक्षा या प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का अभाव में होती है। चरम रूप में इसका अर्थ भुखमरी से होने वाली मौतों का विस्तार भी है। इन गंभीर मानदंडों के अनुसार, भारत की अत्यधिक गरीबी दर अब जनसंख्या का 5.3 प्रतिशत है। इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि चूंकि भारत में 2011 से जनगणना नहीं हुई है इसलिए जनसंख्या के बारे में सटीक आंकड़ा या गरीबी अनुपात का भाजक अनुपलब्ध है। लेकिन कोई भी उचित अनुमान लगा सकता है। दुनिया में लगभग 83.80 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं जिनमें से भारत के 7.50 करोड़ कुल आंकड़े का 9 प्रतिशत हैं। वैश्विक जनसंख्या में भारत की दोगुनी हिस्सेदारी को देखते हुए यह संतोषजनक है कि अत्यधिक गरीबी से निपटने के मामले में भारत वैश्विक औसत से आगे है। फिर भी कुल मिलाकर देखें तो भारत अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में नाइजीरिया के बाद केवल दूसरे स्थान पर है। भारत की आबादी को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है लेकिन याद रखें कि चीन का अनुपात शून्य प्रतिशत के करीब है और चीनियों ने घोषणा की कि 2020 में ही उनके यहां अत्यधिक गरीबी समाप्त हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स-एसडीजी) की घोषणा की थी जिनमें से पहला लक्ष्य 2030 तक अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन था। इस प्रकार हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए पांच साल बचे हैं कि हम एसडीजी के अनुसार अत्यधिक गरीबी से नीचे के लोगों के शून्य प्रतिशत के करीब पहुंचें। उल्लेखनीय है कि अत्यधिक गरीबी को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गरीबी रेखा 2017-18 में इस्तेमाल किए गए पहले के 2.15 डॉलर से 3 डॉलर में स्थानांतरित हो गई है। उस निचली सीमा के अनुसार भारत में 2023 तक केवल 33.70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे हैं। लेकिन 3 डॉलर की उच्च रेखा अधिक उपयुक्त है क्योंकि यह सभी कम आय वाले देशों की औसत गरीबी रेखाओं से ली गई है जिससे अंतरराष्ट्रीय तुलना अधिक वैध हो जाती है। यह राष्ट्रीय सर्वेक्षण डेटा और कार्यप्रणाली को भी ध्यान में रखता है।

यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एमपीआई एक अधिक व्यापक उपाय है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को कवर करने वाले दस मैट्रिक्स का उपयोग करता है। इनमें बाल मृत्यु दर, खाना पकाने के ईंधन का उपयोग, स्वच्छता एवं पीने के पानी तक पहुंच आदि जैसे विशिष्ट संकेतक शामिल हैं। एमपीआई को मापने के लिए नीति आयोग 10 के बजाय 12 संकेतकों का उपयोग करते हुए मातृ स्वास्थ्य तथा बैंक खाते तक पहुंच को भी जोड़ता है।

नीति आयोग के शोध के अनुसार भारत का एमपीआई 2013-14 में 29 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.3 फीसदी हो गया। इस विश्लेषण के अनुसार (और एक अनुपलब्ध जनगणना संख्या की चेतावनी के साथ) लगभग 24.80 करोड़ लोग एमपीआई गरीबी से बच गए। यूएनडीपी द्वारा दस संकेतकों के साथ गणना की गई एमपीआई जिसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए किया जाता है, के अनुसार 2019-21 के दौरान भारत की एमपीआई गरीबी दर 15 फीसदी थी जो नीति आयोग द्वारा गणना की गई तुलना में लगभग 4 प्रति सैकड़ा अधिक थी। चूंकि 2017-18 के लिए व्यापक उपभोग सर्वेक्षण डेटा गायब है इसलिए इस विसंगति को हल करना संभव नहीं है। वर्ष 2021-22 में यूएनडीपी एमपीआई हेडकाउंट अनुपात के अनुसार वैश्विक रैंक में 109 देशों में भारत 66 क्रमांक पर था। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी पर अपने नवीनतम आंकड़ों के लिए एक सुसंगत वैश्विक रैंकिंग जारी नहीं की है। एमपीआई गरीबी दर के लिए नीति आयोग के आंकड़ों के मुकाबले यूएनडीपी द्वारा दिखाए गए उच्च एमपीआई ने विवाद पैदा कर दिया। बिजली या बैंक खातों जैसे अतिरिक्त संकेतकों का उपयोग जो सार्वभौमिक पहुंच के करीब हैं इस सूचकांक को तोड़ते-मरोड़ते हैं और इसे अधिक आशावादी बनाते हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों जैसे गहन सर्वेक्षणों से पुष्टि होने से पता चला है कि एनीमिया और कुपोषण जैसे संकेतकों में गिरावट आई है जो निश्चित रूप से एमपीआई को प्रभावित करते हैं।

बहरहाल हम संख्याओं और विवादों से परे जाएं जिनमें से कुछ छोटे-छोटे दोष जान-बूझकर निकालने की तरह लग सकते हैं। यह स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक विकास सभी लोगों के जीवन की बेहतरी की ओर अग्रसर है। विश्व बैंक ने नोट किया है कि अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों में से दो तिहाई लोग पांच राज्यों से आते हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र शामिल हैं। स्पष्ट रूप से अगले 12 वर्षों में इस स्थिति में आया व्यापक सुधार इन राज्यों में गहन और सफल प्रयासों के कारण था। गत पांच वर्षों से 81 करोड़ लोगों को दी गई मुफ्त खाद्यान्न योजना, निश्चित रूप से गरीबी उन्मूलन में एक बड़ा कारक है। इस योजना को और पांच वर्षों के लिए बढ़ाया गया है। स्वास्थ्य बीमा, पेयजल मिशन आदि जैसी सार्वभौमिक योजनाओं का प्रभाव भी ऐसा ही है।

इस मामले में आगे बढ़ते हुए यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गरीबी रेखा से ऊपर जाने का मतलब यह नहीं है कि आप फिर इसके नीचे नहीं आ सकते। यदि आजीविका अनिश्चित है तो परिवार में मृत्यु या बीमारी अथवा नौकरी छूटने जैसा एक प्रतिकूल सदमा इसे फिर गरीबी में वापस धकेल सकता है।

इसलिए हमें एक साथ सार्थक और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का निर्माण करने की आवश्यकता है। राजकोषीय संसाधन सीमित हैं, सरकार के ऋण को गुब्बारे की तरह नहीं फुलाया जा सकता इसलिए सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने के लिए व्यय का कुछ पुनर्विन्यास जरूरी है। सामाजिक सुरक्षा लोक-लुभावनवाद के समान नहीं है यद्यपि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करना इसका एकमात्र दीर्घकालिक तरीका है जो नियमित ढंग से आजीविका में सुधार कर सकता है। रोजगार सृजन का अर्थ है हजारों छोटे उद्यमों का निरंतर निर्माण और बड़े पैमाने पर कौशल व प्रशिक्षण देना।

इन सभी लक्ष्यों को अब नौकरियों पर खतरा पैदा कर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई चुनौतियों के साथ हासिल करने होगें। कुल मिलाकर हमें जल्द ही सापेक्ष गरीबी व असमानता को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि उच्च आर्थिक विकास की लूट को शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों को नहीं दिया जा सकता। अगले पांच वर्षों में अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन एक अच्छा मौका है लेकिन एक विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ने की यात्रा में हमें बहुत काम करना है।

(लेखक जाने-माने अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

इन सभी लक्ष्यों को अब नौकरियों पर खतरा पैदा कर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई चुनौतियों के साथ हासिल करने होगें। कुल मिलाकर हमें जल्द ही सापेक्ष गरीबी व असमानता को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि उच्च आर्थिक विकास की लूट को शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों को नहीं दिया जा सकता। अगले पांच वर्षों में अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन एक अच्छा मौका है लेकिन एक विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ने की यात्रा में हमें बहुत काम करना है।

बीता सप्ताह

7 जून
- पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया।
- मंत्री किरेन रिजिजू ने लांच किया उम्मीद पोर्टल, अब एक क्लिक में मिलेगी वक्फ संपत्ति की जानकारी।
- सऊदी/सीरिया के राजधानियों की सीधी उड़ाने 12 साल बाद फिर से शुरू हुई।
- चीनी ग्रह डिटेक्टर श्येनवन-2 ने की नई तस्वीरें अपलोड।

8 जून
- आरसीबी खिताबी जश्न में हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के दो अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया।
- केन्द्र सरकार ने जारी किया कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा। 2022 में कोविड से 86.5 लाख मौतें।
- नार्वे के ग्रैंड मास्टर मैग्नस कार्लसन ने नार्वे शतरंज का 7वां खिताब जीत लिया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिन सदस्य नियुक्त किया।

9 जून
- कोलंबियाई राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को एक रैली में गोली मार दी गई।
- मंगल पर मिला धरती से भी बड़ा ज्वालामुखी, मौना लोझा से भी दुगुनी ऊंचाई है।
- इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी के सांसद प्रिया सरोज ने रचाई शादी।
- मई से मार्केट शेयर चार फीसदी हुआ पार, भारत में तेजी से बाद रही इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री।

10 जून
- छग के बस्तर में आईईडी ब्लास्ट में नक्सलियों ने एएसपी आकाश राव गिरेपुंजे को निशाना बनाया। आकाश राव गिरेपुंजे शहीद हुए।
- ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलीट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई।
- चीन ने सऊदी अरब, ओमान, कुवैत और बहरीन के लिए शुरू की वीजा मुक्त नीति।
- 10 वर्षीय अतीका मीर रोटैक्स यूरो ट्राफी में शीर्ष 10 में स्थान पाने वाली पहली भारतीय बनीं।

11 जून
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खंरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर कहा कि लोकसभा उपाध्यक्ष का चुनाव जल्द करवाएं।
- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने कहा कि पहलगाम हमला केन्द्र की लापरवाही का नतीजा है।
- छत्तीसगढ़ के बिलासपुर हाइकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली।
- जापान में व्यक्तिगत डेटा लीक होने का मामला रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है।

12 जून
- छग में बस्तर में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली बमन ढेर हो गया।
- कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह 6 वर्ष के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिए गए।
- चीन ने जारी की दुनिया की पहली डीप-सी सीमाउंट डिजिटल इंटेलिजेंट प्रणालीद्ध
- संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बातचीत में टकराव की जगह संवाद जरिया बने।

13 जून
- गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रेश 241 यात्रियों की मौत हो गई।
- राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु में 6 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित।
- गुरूदेव रविंद्रनाथ टैगोर के बंगलादेश में पैतृक निवास पर हमले और ध्वस्त करने की कृत्य का भारत ने निंदा किया।
- मंगलग्रह पर मिला धरती से भी बड़ा ज्वालामुखी। मौनालोआ से भी दुगूनी है ऊंचाई।

पोषण और स्वास्थ्य से जूझ रहे 80 करोड़ भारतीयों के लिए जीडीपी रैंकिंग अप्रासंगिक

■ पी. सुधीर

नीति आयोग के सीईओ ने दावा किया है कि भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने कम से कम इतना तो सच कहा कि यह बात अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्व आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के अनुमानों पर आधारित थी। आगे विस्तार से जानने पर हमें ठीक-ठीक पता चलता है कि भारत की नाममात्र जीडीपी जापान के 4,186.431अरब डॉलर से थोड़ा आगे बढ़कर 4,187.017अरब डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। यह बिलकुल अलग बात है कि भारत की प्रति व्यक्ति आय डॉलर के हिसाब से नाममात्र है और जो जापान की प्रति व्यक्ति आय का मात्र तेरहवां हिस्सा है। इसलिए, मोदी सरकार के आर्थिक थिंक टैंक के समर्थकों के बीच मौजूदा उत्साह, जिसे गोदी मीडिया के चाटुकारों द्वारा और बढ़ाया जा रहा है, विचित्र लगता है।

दरअसल, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत की आबादी के शीर्ष 1 प्रतिशत के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, जबकि निचले 50 प्रतिशत के पास केवल 3 प्रतिशत है। आय असमानता भी उतनी ही स्पष्ट है - शीर्ष 10 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत से अधिक कमाते हैं। इस संदर्भ में, समग्र जीडीपी और यहां तक कि प्रति व्यक्ति जीडीपी के प्रति जुनून केवल एक भ्रामक मीट्रिक नहीं है; यह तो कॉर्पोरेट-सामुदायिक गठजोड़ द्वारा सार्वजनिक चर्चा को विचलित करने के लिए जानबूझ कर बनाई जा रही हवा है।

सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है।

इसका आधार स्पष्ट और जोरदार है। जैसा कि ब्राजील के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अल्फ्रेडोसाद-फिल्हो ने 2006 में देखा था, 'यह वित्त-संचालित नवउदारवादी शासन के तहत सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में गैर-हस्तक्षेप के वैचारिक आवरण के तहत एक आधिपत्य परियोजना को लागू करने के लिए राज्य शक्ति के व्यवस्थित उपयोग पर आधारित शोषण और सामाजिक वर्चस्व है।' वित्तीय बाजारों और अमेरिकी पूंजी के वैश्विक हितों के तहत, वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन पूंजी का मुख्य कार्य नहीं रह गया है। इसके बजाय, पूंजी अब मुख्य रूप से सट्टा वित्तीय गतिविधियों के माध्यम से अल्पकालिक सुपर-मुनाफा उत्पन्न करने के लिए तैनात की जाती है।

वित्त द्वारा मध्यस्थता, अर्थव्यवस्था में पूंजी के तीन मुख्य स्त्रोतों- राज्य वित्त, घरेलू बचत पूल और घरेलू और विदेशी पूंजी के बीच संबंध -पर नियंत्रण तेजी से अनियमित और केंद्रित हो गया है। यह गतिशीलता उस हताशा में परिलक्षित होती है जिसके साथ ट्रम्प प्रशासन ने घरेलू विनिर्माण नौकरियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास में टैरिफ युद्ध को आगे बढ़ाया। विडंबना यह है कि यह अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्राज्यवाद के तत्वावधान में जिसमें वित्त का वैश्विक प्रभुत्व पहली बार स्थापित हुआ था। सदी के अंत में, 2000 में, वैश्विक विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) 400 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ गया, जबकि वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) केवल 65 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर था - प्रत्यक्ष निवेश के प्रत्येक डॉलर के लिए, स्टॉक और डेरिवेटिव जैसे सट्टा साधनों में सात डॉलर डाले गये। लगभग एक चौथाई सदी बाद, वित्त का प्रभुत्व और भी अधिक स्पष्ट है।

स्पष्ट रूप से, आईएमएफ के अनुमानित जीडीपी आंकड़े समकालीन पूंजीवाद के आंतरिक कामकाज या श्रमिक वर्ग के लिए इसके विनाशकारी परिणामों को समझाने के लिए अत्यल्प जानकारी प्रस्तुत करते हैं। भारत में, आबादी का शीर्ष 1 प्रतिशत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत नियंत्रित करता है। इसका मतलब है कि लगभग 1.4अरब लोगों की प्रति व्यक्ति आय केवल 1,670 अमरीकी डॉलर के आसपास रह गयी है। अगर हम देश की 62 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण रखने वाले शीर्ष 5 प्रतिशत लोगों को हटा दें, तो औसत और भी गिरकर लगभग 1,100 अमेरिकी डॉलर हो जाता है - जो सालाना 1 लाख रुपये से भी कम है। यह आबादी के भारी बहुमत द्वारा सामना की जाने वाली गंभीर वास्तविकता को दर्शाता है।

इस असमानता को और भी जटिल बनाता है जीडीपी योगदान में क्षेत्रवार विषमता। जीडीपी का बड़ा हिस्सा पूंजी-गहन सेवा क्षेत्रों और बड़े कॉर्पोरेट उद्यमों द्वारा उत्पन्न होता है। इस बीच, असंगठित अनौपचारिक क्षेत्रों और कृषि में लगे लोग - जो कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं - कुल जीडीपी में केवल एक नगण्य हिस्सा योगदान करते हैं। नतीजतन, बढ़ती बेरोजगारी के साथ-साथ स्थायी आय और आजीविका में संकट गहराता जा रहा है।

विश्व स्तर पर, धनी लोगों द्वारा नीति पर कब्ज़ा करने से कर नीतियों, नियामक ढांचे और सार्वजनिक निवेश निर्णयों को उनके लाभ के लिए आकार दिया गया है। भारत में, यह कब्ज़ा और भी तीव्र है। कॉर्पोरेट हितों की बढ़ती पकड़, साथ ही क्रोनीपूंजीवाद के उदय ने सार्वजनिक संपत्तियों- प्राकृतिक संसाधनों सहित - को निजी हाथों में व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित कर दिया है। जबकि कॉर्पोरेट मुनाफे में उछाल आया है, राष्ट्रीय आय में श्रम का हिस्सा घट गया है।

भारत में स्थिति विशेष रूप से विकट है। विमुद्रीकरण ने अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया, जिसने व्यवधान का खामियाजा उठाया। कोविड-19 महामारी के बाद की स्थिति और भी खराब हो गयी। ऐसे माहौल में, अतिरिक्त रोजगार पैदा करने या स्थायी आय सुनिश्चित करने की कोई गुंजाइश नहीं है। कुल सकल घरेलू उत्पाद में नाममात्र की वृद्धि भी साझा समृद्धि का कोई सुबूत नहीं देती है। कामकाजी गरीबों और बेरोजगारों से परे, मध्यम वर्ग भी तेजी से असुरक्षित हो रहा है - न केवल पीछे छूट रहा है, बल्कि नीचे की ओर खिसकने का जोखिम भी है। धन के पुनर्वितरण नीतियों की अनुपस्थिति में, अभिजात वर्ग सार्वजनिक सेवाओं से बाहर निकलने का जोखिम उठा सकता है - विशेष निजी स्कूलों, कॉर्पोरेट अस्पतालों और बंद आवासीय समुदायों पर निर्भर करता है। यह सार्वभौमिक सार्वजनिक प्रणालियों में निवेश करने की राजनीतिक इच्छा को खत्म कर देता है।

इसलिए बुनियादी पोषण, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा से जूझ रहे 80 करोड़ भारतीयों के लिए, जीडीपी रैंकिंग अप्रासंगिक है। कॉर्पोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ का उदय आकस्मिक नहीं है; यह लोगों को पहचान के आधार पर विभाजित करने का काम करता है, जिससे शासन का निरंतर प्रभुत्व सुनिश्चित होता है। इस संदर्भ में, जनता द्वारा एकजुट एवं सामूहिक संघर्ष ही आगे बढ़ने का एकमात्र व्यवहार्य मार्ग है।

मिरज में मौजूद है, सितार को 'जन्म' देने की परंपरा?

■ नजरुल हक

दक्षिण महाराष्ट्र के सांगली ज़िले में, कर्नाटक की सीमा के पास स्थित ऐतिहासिक नगर मिरज पहली नज़र में साधारण सा प्रतीत हो सकता है। एक छोटा रेलवे जंक्शन, धूल भरे बाज़ार और शांत आवासीय मोहल्ले- ये सब इस नगर की गहराई और महत्व को तुरंत नहीं दर्शाते, लेकिन पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से मिरज भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर एक विशिष्ट स्थान रखता है- केवल शास्त्रीय संगीत के एक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हस्तनिर्मित परंपरा के हृदय-स्थल के रूप में, जो अब भी दुनिया के बेहतरीन तार-वाद्य यंत्रों का निर्माण करती है।

जब आप उस संकरी गली में प्रवेश करते हैं जिसे पहले 'सितारमेकर गली' के नाम से जाना जाता था—और अब इसे आधिकारिक तौर पर 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' कहा जाता है—तो आप एक ऐसी दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां लकड़ी, धातु और मानवीय स्पर्श मिलकर ऐसी ध्वनियां रचते हैं जो विश्व भर के संगीत सभागारों में गूंजती हैं। यह गली बहुत लंबी नहीं है, मुश्किल से कुछ सौ मीटर की, लेकिन इसका महत्व अत्यधिक है। यहीं पीढ़ियों से कारीगर सितार, तानपुरा, सरोद और वीणा जैसे तार-वाद्य यंत्रों को बनाते आए हैं—ऐसी तकनीकों से जो मौखिक परंपरा से चली आ रही हैं और जिन्हें अभ्यास, अंतर्ज्ञान और भक्ति से परिष्कृत किया गया है।

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है।

मिरज के सितार निर्माण केंद्र में बदलने की कहानी 19वीं सदी में शुरू होती है, एक दूरदर्शी कारीगर—फ़रीदसाहब सितारमेकर—के साथ। फ़रीदसाहब का जन्म 1827 में हुआ था। वे शिकलगारों के समुदाय से थे। ये मुस्लिम धातु-शिल्पकारों का एक समुदाय था जो मूलतः 17वीं सदी में बीजापुर के आदिलशाही शासन के दौरान मिरज में आकर बस गया था। ये कुशल कारीगर पारंपरिक हथियारों, जैसे-तलवारें, ढालें और कटार बनाने और मरम्मत करने में विशेषज्ञ थे। पीढ़ियों तक, उनके जीवन की लय थी: हथौड़े की टनटनाहट और लोहे पर पड़ती चोट।

लेकिन 18वीं और 19वीं सदी के आगमन के साथ गहरे परिवर्तन आए। बारूद वाले हथियारों के उदय, भारतीय रियासतों के पतन और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ होने के कारण शिकलगारों की पारंपरिक कला अप्रासंगिक हो गई। अब जब युद्धों में तलवारों और भालों की आवश्यकता नहीं रही, तो उनका कौशल भी समाप्ति की कगार पर पहुंच गया। भारत के कई कारीगर समुदायों की तरह, उन्हें भी पुनर्निर्माण या विलुप्ति के बीच चयन करना पड़ा। कई शिकलगारों ने सामान्य बढ़ईगिरी, घरेलू औज़ार बनाने या धातु-सज्जा का काम अपनाया, लेकिन फ़रीदसाहब ने, जो उस समय सांस्कृतिक रूपांतरण के दौर से गुज़र रहे मिरज में रह रहे थे, एक अलग राह देखी।

उसी समय मिरज पर 'पटवर्धन वंश' का शासन था और श्रीमंत बालासाहब पटवर्धन (द्वितीय) को कला का विशेष संरक्षणकर्ता माना जाता था। उन्होंने उत्तर भारत से संगीतज्ञों को मिरज बुलवाया और बसाया, जिससे यह नगर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक केंद्र बन गया। कलाकारों के साथ वाद्ययंत्र भी आए और उनके साथ उनकी मरम्मत, स्वरलयन और अंततः विशेष निर्माण की ज़रूरतें भी।

फ़रीदसाहब ने तार-वाद्य यंत्रों की मरम्मत से शुरुआत की और उनके निर्माण की बारीकियों को गहराई से समझना शुरू किया। उनमें जन्मजात जिज्ञासा थी, वे टूटे-फूटे पुराने वाद्ययंत्रों को खोलकर उनके ध्वनि-विज्ञान को समझने का प्रयास करते थे। उनके वंशजों के बीच एक चर्चित किस्सा है कि फ़रीदसाहब कई हफ़्तों तक एक सितार के पास सोते रहे, रात के अलग-अलग समय पर उसे थपथपाते रहते, ताकि आर्द्रता और तापमान का उसकी ध्वनि पर कैसा असर पड़ता है, यह जान सकें।

उनकी असली खोज तब हुई जब उन्होंने पाया कि स्थानीय खेतों में उगने वाली लौकी—जिनका उपयोग साधु जलपात्र के रूप में करते थे—ध्वनि अनुनाद (रेजोनेन्स) के लिए आदर्श होती हैं। ये लौकियां या तो स्थानीय खेतों से प्राप्त की जातीं या विशेष रूप से उगाई जातीं। इन लौकियों को धीरे-धीरे सुखाकर और संसाधित कर 'प्राकृतिक अनुनाद कक्ष' (रेजोनेटर) बनाया जाता था। अपने भाई मोइनुद्दीन की सहायता से फ़रीदसाहब ने हाथ से ही पूरी तरह सितार बनाना शुरू किया—लकड़ी की किस्मों, तारों के तनाव और जावरी (जो वाद्य के स्वरगुण को आकार देती है) के सूक्ष्म संतुलन पर प्रयोग करते हुए।

उनकी साधारण सी कार्यशाला से जो वाद्य निकले, उनमें एक विशिष्ट ध्वनि थी—गंभीर, समृद्ध और गहराई लिए हुए। धीरे-धीरे यह बात फैलने लगी। जैसे-जैसे मांग बढ़ी, फ़रीदसाहब ने अपने बेटों और शिष्यों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। जल्द ही पूरे-के-पूरे परिवार इस कला में लग गए और 'सितारमेकर गली' एक जीवित संग्रहालय बन गई। समय के साथ मिरज उच्च गुणवत्ता वाले तारवाद्यों के पर्याय के रूप में प्रसिद्ध हो गया। भारत और दुनिया भर के संगीतज्ञ मिरज से विशेष आदेश पर वाद्य मंगवाने लगे।

20वीं सदी के मध्य तक मिरज के वाद्यों की ख्याति किंवदंती बन चुकी थी। पंडित रविशंकर—जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिम में लोकप्रिय किया—ने मिरज से सितार बनवाए। उस्ताद विलायत ख़ान ने भी, जिनकी 'विलायतखानी' सितार शैली आज भी वाद्य-निर्माताओं को प्रेरित करती है, मिरज के सितारों को अपनाया। वास्तव में, कुछ मिरज में बने सितारों के नाम ही 'रविशंकर शैली' या 'विलायत ख़ान शैली' रखे गए हैं—ये नाम डिज़ाइन के स्वामित्व की बजाय उन विशिष्ट ध्वनि-गुणों को दर्शाते हैं जिन्हें ये महान संगीतज्ञ पसंद करते थे। एक बार विलायत ख़ान के एक शिष्य ने कहा था, 'मिरज का सितार केवल गाता नहीं है—वह सांस भी लेता है।'

आज भी मिरज के कारीगर किसी स्वचालित मशीनरी का उपयोग नहीं करते। उनके औज़ार सरल हैं—छीनी, रेसर, हस्त-ड्रिल और लकड़ी की क्लैंप। कार्यशाला की प्रक्रिया सहयोगी होती है: हर कारीगर किसी एक हिस्से में विशेषज्ञ होता है—चाहे वह तुम्बा (लौकी) को तराशना हो, डंडी (गर्दन) बनाना हो या फ़्रेट्स को स्वरलय देना हो।

जो बात मिरज को विशिष्ट बनाती है, वह है इसकी कला से निकटता और आत्मीयता। यहां वाद्य तैयार नहीं किए जाते, उन्हें 'जन्म' दिया जाता है—हर संगीतज्ञ की हथेली, शैली और ध्वनि-रुचि के अनुसार विशेष रूप से। एक मिरज का सितार बनकर तैयार होने में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं, यह उसकी जटिलता और कारीगर की व्यस्तता पर निर्भर करता है।

इस शिल्प का अधिकांश ज्ञान आज भी लिखित नहीं है। यह अवलोकन और मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है, जहां युवा शागिर्द अपने बड़ों की सहायता करते हुए सीखते हैं—लकड़ी की नसों, वार्निश की गाढ़ाई या फ्रेट संरेखण की बारीकियों को आत्मसात करते हुए। एक कारीगर ने कभी कहा था, 'आप केवल सितार बनाना नहीं सीखते—आप उसे जन्म लेने से पहले सुनना सीखते हैं।'

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन भी हो रहा है। आधुनिक शास्त्रीय संगीतज्ञों में हस्तनिर्मित वाद्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है, जिससे संरक्षण का एक धीमा, लेकिन स्थिर पुनरुत्थान हो रहा है।

आज भी जब आप 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' से गुजरते हैं, तो कार्यशालाओं में गहरी एकाग्रता-भरा सन्नाटा गूंजता है। युवा लड़के अपने पिता और चाचा की सहायता करते हैं—छोटे औज़ार पकड़ाते हुए, फ्रेट काटते या नए तने हुए सितार को सुर में मिलाते हुए। हवा में रोज़वुड के बुरादे और वार्निश की सुगंध है, और कहीं पीछे एक तानपुरा धीरे-धीरे गुनगुना रहा है।

(लेखक आज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में प्राध्यापक हैं।)

खेल जगत

टोटेनहम हॉटस्पर के नए हेड कोच बने थॉमस फ्रैंक

लंदन। टोटेनहम हॉटस्पर ने थॉमस फ्रैंक को टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। थॉमस फ्रैंक के साथ यह कॉन्ट्रैक्ट साल 2028 तक के लिए रहेगा। थॉमस फ्रैंक के साथ जस्टिन कोचरन (असिस्टेंट कोच), क्रिस हसलम (हेड ऑफ परफॉर्मेंस और फर्स्ट टीम असिस्टेंट कोच) और जो न्यूटन (कोच विश्लेषक) टीम में शामिल होंगे। 2024/25 में एंज पोस्टेकोग्लू के नेतृत्व में टोटेनहम हॉटस्पर का लीग में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम 38 में से 22 मैच गंवाकर 17वें स्थान पर रही थी। यह अब तक का उसका सबसे निचला स्थान है। हालांकि, टोटेनहम हॉटस्पर ने मई में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूईएफए यूरोपा लीग जीती और अगले सीजन में चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ब्रेंटफोर्ड से आते हैं। उन्हें अप्रैल 2022 में प्रीमियर लीग मैनेजर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी तैयारी से उतरेगी टीम इंडिया

- भारत को शीर्ष तीन की होड़ में बने रहने के लिए मैच जीतने होंगे
- हार के सिलसिले को पलट अपनी झोली में कुछ जीत डालना चाहते हैं

एफआईएच हॉकी प्रो लीग

नई दिल्ली, 13 जून (देशबन्धु)। जीत के गीत गाए जाते हैं। हारने वाले को कोई याद नहीं करता है। भले ही आप बेहद करीबी संघर्ष में हारे हों लेकिन इतिहास जीतने वाले का नाम ही दर्ज होता। इस बात का अहसास हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई और चीफ कोच क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में उतरने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-2025 के यूरोपीय चरण में मेजबान नीदरलैंड और अर्जेंटीना से शुरू के शुरू के चार मैच में चार हार कर हो गया होगा। भारत मेजबान नीदरलैंड से पहले मैच में 1-2 से रिटर्न मैच में 2-3 से हारा और अर्जेंटीना से पहले मैच में 3-4 से दूसरे विवादास्पद ढंग से विडियो अंपायर द्वारा पेनल्टी स्ट्रोक पर जुगराज सिंह के गोल को खारिज किए जाने से 1-2 से हार गया। भारत प्रो लीग के इस यूरोपीय चरण में आठ मैचों में पांच जीत से 15 अंकों पर तीसरे स्थान पर उतरी थी और इन लगातार चार हार के चलते अब 12 मैचों में 15 अंक पर ही ठहर कर पांचवें स्थान पर गई है। भारत ने मौकों को भुनाया होता तो ये चारों मैच हारने की बजाय जीत सकता था।

भारत को शीर्ष तीन की होड़ में बने रहने के लिए अब एंटवर्प (बेल्जियम) में सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया से 14 और 15 जून को खेले जाने वाले मैच जीतने होंगे। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतना तो मौकों को बेहतर ढंग से भुनाना होगा। ऑस्ट्रेलिया खासी मजबूत और मुश्किल टीम है और उसके खिलाफ जीतने के लिए भारत को डी के भी अपनी निशानेबाजी करने के साथ पूरी तरह चौकस भी रहना होगा।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से शिकस्त देकर यूरोप दौरे में अपना लगातार तीसरा गेम जीत लिया है। हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से सोनम (4'), लालथंतलुंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल दागे, जबकि बेल्जियम के लिए मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। भारत ने खेल में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले के चौथे मिनट में सोनम ने फील्ड गोल करके स्कोरिंग शुरू कर दी। भारत ने पहले हाफ में अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर 32वें मिनट में लालथंतलुंगी के पेनाल्टी कॉर्नर गोल से तीसरे क्वार्टर में इस लीड को 2-0 से मजबूत कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 37वें और 40वें मिनट में लगातार दो गोल करके खेल को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। मैरी गोएन्स ने पेनाल्टी स्ट्रोक के जरिए टीम के लिए पहला गोल किया, इसके बाद मार्टे मैरी ने फील्ड गोल दागा। चौथे क्वार्टर खत्म होने में सिर्फ नौ मिनट ही बचे थे, तभी कनिका ने पेनाल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को 3-2 से लीड में ला दिया, जिसने भारत को अपने यूरोपीय दौरे में जीत की लय बनाए रखने में मदद की।

श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कंस मुंबई टी-20 लीग फाइनल में हारी

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कंस को मुंबई टी20 लीग के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा जहां पर उनकी टीम वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से हार गई। यह अय्यर की बतौर कप्तान टी20 लीग में 10 दिन के अंदर लगातार दूसरी फाइनल में हार है। इससे पहले तीन जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था। सोबो ने 157 रन बनाए, जिसमें अय्यर ने 17 गेंद में 12 रनों की पारी खेली। सिद्धेश लाड की कप्तानी वाली मराठा रॉयल?स ने चार गेंद और छह विकेट शेष रहते लक्ष?य हासिल कर लिया। अय्यर ने पांच पारियों में 62 रन बनाए, जिसमें 25 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। अय्यर ने फाइनल में हार के बाद कहा कि मैं किसी एक घटना पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। कुल मिलाकर, लड़कों ने अपना प्रयास शानदार ढंग से किया। हमने फाइनल में पहुंचने के दौरान सिर्फ एक मैच हारा है। अगर आप किसी की आलोचना करते हैं तो यह मूल रूप से पीठ में छुरा घोंपने जैसा है और मुझे यह पसंद नहीं है। फाइनल में हार के बाद निराश होना आम बात है। इससे खिलाड़ियों को दुख होता होगा। लेकिन जब वे अगले साल वापस आएंगे, तो उनके पास अतिरिक्त प्रेरणा और आत्मविश्वास होगा।

इंग्लैंड सीरीज छोड़कर अचानक भारत लौटे गौतम गंभीर

- भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरने जा रही है

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। इस सीरीज के लिए भारतीय खेमा इस वक्त इंग्लैंड में है, लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर को फैमिली इमरजेंसी के चलते अचानक भारत वापस लौटना पड़ा है। गौतम गंभीर बेकेनहैम में भारतीय टीम के साथ मौजूद थे, जहां शुक्रवार से इंट्रा-स्क्वॉड प्रैक्टिस मैच खेला जाएगा। इसकी शुरुआत से पहले ही गौतम गंभीर को अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में भारत लौटने का फैसला लेना पड़ा।

इस मामले में शुक्रवार को कहा कि हां, कल यह बात सामने आई कि गंभीर अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण फैमिली इमरजेंसी के चलते घर वापस लौट रहे हैं। हमारा मानना है कि अब तक गंभीर नई दिल्ली में अपने परिवार के पास पहुंच चुके हैं। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अभी यह पता नहीं है कि टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले वह भारतीय टीम से कब जुड़ेंगे। गौतम गंभीर की गैरमौजूदगी में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्न मोर्कल, असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी में मदद करेंगे।

भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरने जा रही है। मेहमान टीम को इस बार रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों की कमी खलने जा रही है। शुभमन गिल टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे युवा क्रिकेटर होंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को 20 जून से 4 अगस्त तक चलने वाली पांच मुकाबलों की इस टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम इंडिया ने इंग्लैंड की सरजमीं पर आखिरी बार साल 2007 में टेस्ट सीरीज जीती थी। ये जीत राहुल द्रविड़ की कप्तानी में आई थी। इस सीरीज के साथ भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 282 का लक्ष्य

- स्टार्क 136 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)। मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) के संघर्षपूर्ण अर्द्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में तीसरे दिन शुक्रवार को दूसरी पारी में 207 रन बनाये और दक्षिण अफ्रीका के सामने जीत के लिए 282 रन का मुश्किल लक्ष्य रख दिया। ऑस्ट्रेलिया ने कल के आठ विकेट पर 144 रन से आगे खेलना शुरू किया। स्टार्क ने 16 और नाथन लियोन ने एक रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। कैगिसो रबाडा ने लियोन को चार रन बाद ही पगबाधा कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने अपना नौंवां विकेट 148 के स्कोर पर गंवाया। लेकिन स्टार्क को जोश हेजलवुड के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने दसवें विकेट लिए 59 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को दो सौ के पार पहुंचा दिया। एडन मारक्रम ने हेजलवुड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हेजलवुड ने 53 गेंदों पर 17 रन में दो चौके लगाए। स्टार्क 136 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन उन्होंने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 74 रन की बढ़त हासिल थी जिससे उसने दक्षिण अफ्रीका के सामने 281 रन का लक्ष्य रखा। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से रबाडा ने 59 रन पर चार विकेट और लुंगी एनगिडी ने 38 रन पर तीन विकेट लिए। मार्को यानसन, वियान मुल्डर और मारक्रम को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए अब 282 रन बनाने होंगे।

ड्रीम लीग के अधिकारियों ने टीसीएआई सदस्यों से की मुलाकात

ग्वालियर, 13 जून (एजेंसियां)। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के मुख्य रणनीतिकार (चीफ स्ट्रैटेजिस्ट) चैतन्य नंदा ने गुरुवार को टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के ग्वालियर जिला महासचिव से मुलाकात की। इस बैठक में लीग के विस्तार और आगामी सत्र को लेकर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही हाल ही में पानीपत में संपन्न हुए टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप की समीक्षा भी की गई। सर्वोटेक स्पोर्ट्स द्वारा लॉन्च की गई ड्रीम लीग ऑफ इंडिया भारत की पहली ऐसी राष्ट्रीय स्तर की टेनिस बॉल क्रिकेट लीग है, जिसका उद्देश्य देशभर में जमीनी स्तर पर टेनिस बॉल क्रिकेट के लिए एक संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक इकोसिस्टम तैयार करना है। बैठक के बाद डीएलआई के चीफ स्ट्रैटेजिस्ट चैतन्य नंदा ने कहा कि अवेद खान के साथ हाल ही में संपन्न फेडरेशन कप और ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की भावी योजना को लेकर बहुत ही सार्थक चर्चा हुई। टेनिस क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने को लेकर हमारी सोच एक जैसी ही है। हाल ही में हुए फेडरेशन कप का आयोजन टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) द्वारा किया गया था, जो इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) की सदस्य संस्था है। भारत की ओर से रूस और पोलैंड के खिलाफ होने वाली अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट सीरीज़ के लिए खिलाड़ियों का चयन इसी टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर किया जाना था। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का आयोजन देश के लगभग हर कोने में किया जायेगा और इस दौरान स्काउट्स खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखेंगे। इस लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

जेनसन के पास सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बनने की सभी खूबियां: पोंटिंग

लंदन। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है और वह भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आलराउंडर बन सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोंटिंग ने जेनसन की खूबियों को नजदीक से देखा। आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग ने कहा कि मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है। उन्होंने प्रोटियाज के लिए शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, कैगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक शानदार तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया। रबाडा ने लॉर्ड्स में एक और पांच विकेट लेकर अधिक तारीफ बटोरी, लेकिन जेनसन की गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली रही। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 14 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए और उनके विकेटों में मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड शामिल थे। दूसरे दिन फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के कारण उनका दिन खराब हो गया था, हालांकि इसके तुरंत बाद गेंदबाजी क्रीज पर वापस आकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे बेखौफ हैं और मार्नस लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर दिया।जेनसन अभी सिर्फ 25 साल के हैं। 2025 के आईपीएल में जेनसन ने पंजाब किंग्स के साथ अपना खेल दिखाया, लगातार सफल विकेट लिए और कभी-कभी महत्वपूर्ण रन भी बनाए। भारत में उनके घरेलू अभियान ने क्रिकेट के दिग्गज रिकी पोंटिंग को ऑलराउंडर के बारे में करीब से जानने का मौका दिया और पोंटिंग को इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की शानदार प्रतिभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

इंग्लैंड में बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतरता जरूरी : मॉर्कल

- अब तक के दो दिनों के अभ्यास में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल रही हैं, दौरे की शुरुआत काफी रोमांचक होती है और यह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए काफी जरूरी है : मोर्न मॉर्कल

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारत शुक्रवार से इंट्रा स्क्वाड मैच खेल रहा है जो कि सोमवार तक चलेगा, यह मैच बंद दरवाजे में हो रहा है। अब तक हुए अभ्यास सत्रों के बारे में बात करते हुए भारत के गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल ने कहा कि अब तक के दो दिनों के अभ्यास में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल रही हैं, दौरे की शुरुआत काफी रोमांचक होती है और यह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए काफी जरूरी है। परिस्थितियां बल्लेबाजों की परीक्षा ले रही थीं जो कि सीरीज की तैयारी के लिहाज से अच्छा है। मुझे नहीं लगता कि यहां विकेट उतनी चुनौतीपूर्ण रहने वाली है जितनी अब तक हम यहां देखते आए हैं। बल्ले और गेंद के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती रही है। लेकिन जैसे ही विकेट सपाट हो जाती है तो गेंदबाजों को मुश्किल होती है। इसलिए मेरे विचार में हमें (गेंदबाजों को) उस समय प्रदर्शन करना होगा जब विकेट अधिक सपाट हो। भले ही भारतीय टीम ने अब तक इंग्लैंड में कोई अभ्यास मैच ना खेला हो लेकिन भारतीय दल के कई सदस्यों ने सीरीज की शुरुआत से पहले दूर गेम खेले हैं।

पिता के विश्वास ने निकहत जरीन को बनाया दुनिया का दिग्गज मुक्केबाज

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत में हॉकी के बाद क्रिकेट सर्वाधिक लोकप्रिय खेल के रूप में उभरा है। बेशुमार पैसे की बदौलत आज भी क्रिकेट देश में युवाओं की पहली पसंद है। लेकिन, माहौल बदल रहा है। क्रिकेट को दूसरे खेलों से चुनौती मिल रही है। इसमें पुरुषों के अलावा कई महिलाओं ने भी अहम योगदान दिया है। इसी कड़ी में एक बड़ा नाम मुक्केबाज निकहत जरीन का है। मुक्केबाजी को देश में पुरुषों का खेल माना जाता रहा है। लेकिन, चीजें बदली हैं। अब भारत में मुक्केबाजी से महिलाएं अछूती नहीं हैं। मैरीकॉम के बाद इस खेल में जिस खिलाड़ी ने बड़ी उम्मीद जगाई है, वह हैं निकहत जरीन। 14 जून 1996 को तेलंगाना (पूर्व में आंध्रप्रदेश) के निजामाबाद में जन्मी निकहत का मुक्केबाजी से परिचय उनके पिता मोहम्मद जमील अहमद ने कराया था। इसके लिए उन्हें परिवार, पड़ोसी और रिश्तेदारों से ताने सुनने पड़े। लेकिन, उन्हें अपनी बेटी पर भरोसा था, जिसका परिणाम आज दुनिया के सामने है।

सुरुचि 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पहुंचीं, मनु चूकीं

- सुरुचि ने फाइनल में कुल 243.6 अंक हासिल किए और हमवतन मनु को हराया

म्यूनिख, 13 जून (एजेंसियां)। सुरुचि इंदर सिंह ने शुक्रवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) शूटिंग विश्व कप (राइफल/पिस्टल) में 10 मीटर एयर पिस्टल महिलाओं के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर कट बनाने से चूक गईं। सुरुचि ने 20 इनर 10 के साथ 588 अंक बनाए और क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहीं, चीन की याओ कियानक्सुन के बाद, जिन्होंने 589 - 213 के क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड जूनियर के साथ क्वालीफिकेशन चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस बीच, मनु 574 - 143 शूटिंग के बाद 25वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं, जबकि एक अन्य भारतीय पलक 570 - 183 के साथ 36वें स्थान पर रहीं। दिलचस्प बात यह है कि सुरुचि ने इस साल अप्रैल में पेरू में आईएसएसएफ विश्व कप 2025 लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था। सुरुचि ने फाइनल में कुल 243.6 अंक हासिल किए और हमवतन मनु को हराया, जो दो बार की ओलंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने 242.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। यह इस साल आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि का लगातार दूसरा स्वर्ण था। हरियाणा के झज्जर की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने अप्रैल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण पदक जीता था, जो सीनियर विश्व कप में उनका पहला पोडियम फिनिश था। इस बीच, पेरू में मनु का रजत पदक पेरिस 2024 ओलंपिक में दोहरा कांस्य पदक जीतने के बाद उनका पहला पदक था। वह ब्यूनस आयर्स से खाली हाथ लौटी थीं। हालांकि, म्यूनिख में एक अन्य भारतीय, संयम, जो रैंकिंग पॉइंट्स ओनली (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, ने 580 - 233 का स्कोर बनाया। इससे पहले, पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल में छठे स्थान पर रहीं। ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन ने पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए पदकों की संख्या में इजाफा किया था।

अल्टीमेट खो-खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर से

- इस अवसर पर हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री गौरव गौतम भी उपस्थित थे

- श्री यादव ने वादा किया कि हरियाणा में खो-खो को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा और खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं व रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

गुरुग्राम, 13 जून (एजेंसियां)। खो-खो के वैश्वीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने घोषणा की है कि आगामी तीसरे सीजन की अल्टीमेट खो खो (यूकेके) खिलाड़ियों की नीलामी में पहली बार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। यह घोषणा शुक्रवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह टरसेन्टेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने की। मित्तल ने यह भी बताया कि अल्टीमेट खो खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर 2025 से की जाएगी, जो भारत की पेशेवर खो-खो लीग के लिए एक नया अध्याय होगा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री (युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल, कानून एवं विधायी कार्य) गौरव गौतम भी उपस्थित थे। उन्होंने केकेएफआई द्वारा खो-खो को वैश्विक मंच पर ले जाने के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह हरियाणा में खेल विकास को भी गति देगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य प्रमुख अतिथियों में एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हेमंत वर्मा, एसजीटी विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के सदस्य अमृत सिंह चावला और हरियाणा खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव शामिल थे। श्री यादव ने वादा किया कि हरियाणा में खो-खो को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा और खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं व रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान यह भी घोषणा की गई कि खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया और एसजीटी विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य पारंपरिक खेलों, विशेषकर खो-खो, के लिए शैक्षणिक और वैज्ञानिक संसाधनों का विकास करना है। सुधांशु मित्तल ने कहा कि खो-खो आज भारत की खेल नवाचार और महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। अल्टीमेट खो खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर से हो रही है।

बिग बैश में सिक्सर्स के लिए खेलेंगे बाबर

लाहौर, 13 जून (एजेंसियां) पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आज़म को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है जिसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर ज़ालमी के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ़ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना एक रोमांचक अवसर है। सिक्सर्स 2024-25 सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन प्ले-ऑफ़ में लगातार हार का सामना करना पड़ा।

सार संक्षेप

कोलकाता टाइगर्स की महिलाओं ने सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को हराया

कोलकाता। बंगाल प्रो टी20 लीग 2025 के दूसरे दिन गुरुवार को लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स की महिला टीम ने सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को रोमांचक मुकाबले में आठ विकेट से हराया वहीं एडमस हावड़ा वारियर्स की पुरुष टीम ने सिलीगुडी टाइगर्स को चार विकेट से हरा दिया। इस बीच भारत और बंगाल के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ रिद्धिमान साहा, जो बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीज़न के लिए सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से मेंटर के रूप में जुड़े हैं, को अपनी टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। 40 टेस्ट, 9 वनडे और 255 टी20 मैचों में विकेट के पीछे अपनी बेहतरीन क्षमताओं का प्रदर्शन कर चुके साहा, अब सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष और महिला दोनों टीमों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। साहा ने कहा कि हमने एक यूनिट के रूप में बहुत मेहनत की है। ट्रेनिंग में जो एनर्जी दिखी है, खिलाड़ियों के बीच जो तालमेल बना है और जिस तरह से हर कोई खुद को साबित करने के लिए बेताब है, उससे मुझे पूरा यक़ीन है कि सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स इस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करेगा और टीम की काबिलियत को दिखाएगा।

अकरम ने की अपनी प्रतिमा की तारीफ, सोशल मीडिया में बना मजाक

कराची। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी नई प्रतिमा के निर्माण में किए गए 'प्रयास' की प्रशंसा की। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर उसका मजाक उड़ाया जा रहा है। हैदराबाद के नियाज स्टेडियम के बाहर स्थित इस प्रतिमा में अकरम को पाकिस्तान की 1999 विश्व कप किट में दिखाया गया है, जिसमें वे उपविजेता रहे थे। इसमें अकरम को उनके शानदार गेंदबाजी एक्शन में दिखाया गया है, लेकिन उनके चेहरे की विशेषताओं और बालों की ऑनलाइन आलोचना की गई है।

कुछ लोगों ने कहा कि यह अभिनेता सिल्वेस्टर स्टेलोन से अधिक मिलती-जुलती है, जबकि अन्य ने इसे दस प्रतिशत सीमेंट और 90 फीसदी निराशा का प्रतीक बनाया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अकरम ने मूर्तिकार के प्रयास के लिए धन्यवाद और प्रशंसा के साथ एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी मूर्ति के पास ही एक अन्य मूर्ति का हवाला देते हुए पोस्ट किया, कि हैदराबाद के नियाज़ स्टेडियम में मेरी मूर्ति स्थापित किए जाने के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। मेरी मूर्ति निश्चित रूप से बाघ से बेहतर है। यह विचार ही मायने रखता है।

स्मिथ उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से हुये बाहर

लंदन। ऑस्ट्रेलिया को उस समय बड़ा झटका लगा जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन कैच लेने के प्रयास में स्टीव स्मिथ की उंगली में चोट लग गई।तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की गेंद पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा का कैच लेने के प्रयास में स्मिथ उंगली में चोट लगा बैठे। उस समय बावुमा सिर्फ दो रन पर थे। स्मिथ की उंगली में चोट लगने के कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा।

सार समाचार

टेलीकॉम टॉवर लगाने जाने के विरोध में ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, देशबन्धु। बनवा गांव के ग्रामीणों ने शुक्रवार को टेलीकॉम टावर लगाए जाने के विरोध में एसडीएम विजय राय को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने टावर को आवासीय क्षेत्र से अन्य स्थान पर लगाए जाने की मांग की है। स्थानीय निवासी आशुतोष नेमा ने बताया कि टावर से निकलने वाली रेडिएशन का बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। टावर गांव के एक व्यक्ति की निजी जमीन पर लगाया जा रहा है। यह जमीन आवासीय क्षेत्र के बीचोंबीच स्थित है। चारों तरफ लोगों के घर बने हुए हैं।

टावर को आवासीय क्षेत्र से दूर किसी अन्य स्थान पर स्थापित किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि टावर से निकलने वाली रेडिएशन से स्थानीय लोगों को गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ज्ञापन के दौरान रघुवीर सिंह, कल्याण सिंह, कप्तान सिंह, कमलेश साहू और राधेश्याम सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली विभाग बालों द्वारा झूठ बोला जाता है कि मॅन्टीनेन्स के कारण लाईट बंद रहती है

बिजली की अघोषित कटौती पर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा, सड़क पर उतरे

सिरोंज, देशबन्धु। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती के चलते आज ग्राम दलों का गुस्सा फुट पड़ा और वे सड़कों पर उतर आये. ग्राम जनों ने आरोप लगाया है कि दीपनाखेडा फीडर से जुडे हुए लगभग 10,12 ग्रामो में हो रही अवेध लाईट कटोती से सभी ग्रामों के लोगों को परेशानी हो रही है। लगभग दो महीने से सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक कटोती रहती है, एवं रात में डिम लाईट आती है, उपरोक्त ग्राम वासियों द्वारा शिकायत की जाती है तो बिजली विभाग बालो द्वारा झूठ बोला जाता है कि मॅन्टीनेन्स के कारण लाईट बंद रहती है।

विभागीय कर्मचारियों द्वारा मनमानी की जा रही हैं। और सभी ग्राम वासियों का बिजली बिल बराबर आ रहे है. सभी ग्रामवासी, बामौरी शाला, रिनिया, करैयाह, डेंगरा, सालपुर कलां, मोहनपुर, ललितपुर, जगथर, बुढेना, आदि सभी ग्राम वासियो द्वारा चक्का जाम किया जा रहा था. लेकिन कुछ अधिकारियों से बात की तो उन्होने एक दिन में लाईट सही होने का आश्वासन दिया हैं। महोदय यदि एक दिन लाईट सही प्रकार नही आती है तो हमें मजबूरी में उग्र प्रर्दशन एवं चक्का जमा करना पडेगा। बिजली की समस्याओं को लेकर ग्राम जनों ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा हैं ।

ब्राउन शुगर के साथ पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा

गंजबासौदा, देशबन्धु। बीती रात पुलिस ने ब्राउन शुगर के मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से 1.10 लाख कीमत की ब्राउन शुगर जब्त की है। देहात पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

आरोपियों की पहचान शकील खां (38) निवासी बरुआखार और इसराइल (42) निवासी पडरियां के रूप में हुई है। थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि दोनों आरोपी नशीले पदार्थ को बेचना का काम करते हैं। पुलिस ब्राउन शुगर की सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है। टीआई ने लोगों से नशीले पदार्थों की बिक्री या तस्करी की सूचना देने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा है कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

रायसिंह मेवाड़ा मित्र मंडल ने दी वायुयान दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि

आष्टा, देशबन्धु। गुजरात प्रदेश के अहमदाबाद में वायुयान दुर्घटना में मृत गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित शताधिक यात्रियों के मृत होने की हृदय विदारक घटना के अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा मित्र मंडल द्वारा अपने निज कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार को ईश्वर इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ऐसी कामना की। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हादसा हमारे देश और विश्व के लिए अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। प्रदेश सरकार सहित देश के नागरिकगणों की संवेदनाएं इस दुख की घड़ी में मृतकों के परिवारजनों के साथ है। इस अवसर पर नपाउपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, व्यापार महासंघ अध्यक्ष रूपेश राठौर, पार्षदगण तेजसिंह राठौर, तारा कटारिया, रवि शर्मा, अर्जुनसिंह ठाकुर, देवेन्द्र सिंह राजपूत, जितेन्द्र बुदासा, राजेश ठाकुर, मोहित मेवाड़ा आदि मौजूद थे।

दुबई इंटरनेशनल की मॉडल विद्या जोशी का आगमन आज

गंजबासौदा, देशबन्धु। बीलाढाना में आज 14 जून को एक बड़ा आयोजन होगा। इसमें दुबई की इंटरनेशनल मॉडल विद्या जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वह जन परिषद के बीला ढाना चैप्टर के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगी। विद्या जोशी पटेल, जो दुबई में इंटरनेशनल मॉडल और एक्ट्रेस के रूप में जानी जाती हैं। जन परिषद के बीलाढाना चैप्टर के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगी। उनके साथ जन परिषद के राष्ट्रीय संयोजक और वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव और प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव भी मौजूद रहेंगे। नगर में जन परिषद के ओमप्रकाश चौरसिया के नेतृत्व में विद्या जोशी पटेल का स्वागत किया जाएगा। बीलाढाना चैप्टर के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव और संरक्षक सुरेंद्र श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी है। यह आयोजन बीलाढाना और गंजबासौदा के इतिहास में एक बड़ा अवसर होगा, जिसमें ब्यूटी और फैशन जगत की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की पर्सनैलिटी का आगमन होगा।

50 हजार श्रद्धालुओं को बांटी पूड़ी-सब्जी

हनुमान मंदिर में साकेत महोत्सव का भंडारे के साथ हुआ समापन

टीकमगढ़, देशबन्धु। धजरई हनुमान मंदिर में सात दिवसीय साकेत महोत्सव का समापन शुक्रवार को हो गया। 6 जून से 12 जून तक आयोजित हुई श्रीमद भागवत कथा का वाचन वृंदावन धाम के महंत मदन मोहन दास महाराज ने किया।कथा का समापन सुदामा प्रसंग के साथ हुआ। समापन के मौके पर मंदिर परिसर में भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जो सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चला। भंडारे की शुरुआत जिले भर से आए संतों और पुजारियों के भोजन से हुई। उन्हें सनातन परंपरा के अनुसार दक्षिणा देकर विदाई दी गई।

धजरई हनुमान मंदिर के महंत सीताराम दास ने बताया कि यह आयोजन त्यागी जी महाराज की पुण्यतिथि पर किया गया। त्यागी जी ने मंदिर में वर्षों तक अखंड भंडारा चलाया था। 12 जून 2015 को उन्होंने अंतिम बार भंडारे का आयोजन किया था और अगले दिन 13 जून को साकेतवास कर लिया था। तब से हर साल इसी दिन यह महोत्सव होता है। इस साल महोत्सव का दसवां वर्ष था। आयोजन की तैयारियां दो दिन पहले से ही शुरू कर दी गई थीं। बुधवार से 8 क्विंटल बेसन से बूंदी बनाई गई और गुरुवार से 6 कड़ाही में पूरी पकाई गई। रोज़ाना करीब 5000 श्रद्धालुओं ने कथा के बाद प्रसाद पाया। शुक्रवार को हुए भंडारे में 40 से 50 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान लगाया गया।

महिला थाना द्वारा अब तक 30 परिवारों का कराया समझौता

महिला थाना के प्रयास से बिखरने से बच गया एक परिवार

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में महिला थाना टीकमगढ़ द्वारा पारिवारिक विवादों के निवारण के उद्देश्य से की जा रही सक्रिय और संवेदनशील कार्यवाही के तहत दो परिवारों के बीच आपसी समझौते के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया, जिससे उनके टूटते हुए रिश्तों को पुन: जोड़ा गया । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महिला थाना प्रभारी द्वारा एक और परिवार टूटने से बचाया गया दोनों पक्ष आपसी में प्रेम पूर्वक साथ रहने को तैयार हुए।

आवेदिका दीपा राजा पत्नी पहलवान सिंह निवासी टीकमगढ़ जिला टीकमगढ़ ने पति से प्रताड़ना के संबंध में महिला थाना टीकमगढ़ में आवेदन प्रस्तुत किया था । पुलिस अधीक्षक के स्पष्ट निर्देशों के तहत महिला थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा एवं उप निरीक्षक धनवंती द्वारा पीड़िता के पति एवं ससुराल पक्ष को थाना बुलाकर काउंसलिंग की गई। संवाद एवं समझाइश के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच आपसी मनमुटाव को दूर कर उन्हें साथ रहने की प्रेरणा दी गई, जिस पर दोनों पक्ष प्रेमपूर्वक साथ रहने को सहमत हुए।

इन प्रयासों में महिला थाना टीकमगढ़ की टीम — निरीक्षक मनीष मिश्रा, उप निरीक्षक धनवंती, प्रधान आरक्षक अवधेश खटीक, महिला प्रधान आरक्षक नूरी एवं महिला प्रधान आरक्षक रामसखी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस द्वारा अब तक **कुल 30 परिवारों** को टूटने से बचाया जा चुका है। आमजन एवं संबंधित परिजनों द्वारा पुलिस के इस मानवीय और सुलझे हुए प्रयास की व्यापक सराहना की जा रही है।

बूदौर व मुर्राहा बंध लारोंन में रुद्र महायज्ञ, संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

पलेरा, देशबन्धु। मानव कल्याण एवं किसानों के हितों की रक्षा के लिए टीकमगढ़ जिले के पलेरा जनपद क्षेत्र के ग्राम बूदौर व मुर्राहा बंध लारोंन धार्मिक स्थल पर श्री रुद्र महायज्ञ संगीत माया श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन धार्मिक स्थान पर चल रहा है जिसमें ज्ञान यज्ञ एवं शिव पार्वती परिवार की पुन: प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा दुनर मंदिर बूदौर पलेरा क्षेत्र में चल धार्मिक अनुष्ठान 11 जून से शुरू किया गया है जो 18 जून तक चलेगा इसमें तथा व्यास श्री आचार्य पंडित राजेंद्र दास जी महाराज झीझन वाले जो मथुरा वृंदावन से शास्त्री के रूप में ज्ञान अर्जित किया है संपूर्ण धार्मिक क्षेत्र में डॉक्टर पंडित श्री रमाकांत पटेरिया की जो वाराणसी से शास्त्री की उपाधि प्राप्त है और संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र के अनेक जिलों में यज्ञाचार्य के रूप में प्रसिद्ध विख्यात है उनके मुखारविंद से यज्ञ आचार्य के रूप में अनेक क्षेत्रों में यज्ञ हो रहे हैं

9 जून से श्री रुद्र महायज्ञ भागवत कथा एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन संगीत में मुर्राहा बंध लारोंन धार्मिक स्थल पर किया जा रहा है। इसमें डॉक्टर रमाकांत पटेरिया जी यज्ञाचार्य के रूप में एक आहुतियां प्रदान करवा रहे हैं । बुंदेलखंड क्षेत्र के समाजसेवी सामाजिक समरसता पर काम करने वाले समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी नौगांव बुंदेलखंड द्वारा पलेरा जनपद क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर मानवता के लिए और आध्यात्मिकता सनातन संस्कृति पर काम करने वाले संत महात्माओं से भेंट की एवं धार्मिक स्थल पर उपस्थित जन समूह के माध्यम से समाज में व्याप्त नशा की कुरीतियों को दूर करने दहेज सामाजिक कल्याण को मिटाने धर्म की अलग जगह ने सनातन संस्कृति बचाने वाहन दुर्घटना रोकने एवं शिक्षा से पहले संस्कृति संस्कार बढ़ाने पर सेकंड भक्तों को शपथ संकल्प दवाया गया और उनके जीवन में सुख शांति समृद्धि के लिए विचार रखें।

डॉ. रमाकांत पटेरिया ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में धर्म और सनातन संस्कृति बचाने में जो काम उन लोगों क्षेत्र से समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी निस्वाद भाव से करते हैं और कर रहे हैं उनके मुकाबले बुंदेलखंड क्षेत्र में अभी तक कोई व्यक्ति सामने नजर नहीं आ रहा है। हर व्यक्ति को अपने धर्म और मानवता के लिए राष्ट्र के साथ समर्पित होकर काम करना चाहिए।

रात्रि गश्त के दौरान 2 शातिर मोटरसाइकिल चोर धराए

आष्टा, देशबन्धु। सिद्दीकगंज पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान 2 शातिर मोटरसाइकिल चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर जिले में अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनिता रावत एवं एसडीओपी आकाश अमलकर के मार्गदर्शन में यह कार्यवाही की गई। सिद्दीकगंज थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ हाटपीपलिया की ओर से आ रहे हैं। तत्काल कार्रवाई करते हुए सिद्दीकगंज थाना प्रभारी निरीक्षक राजूसिंह बघेल के निर्देशन में उपनिरीक्षक सूरज परिहार व सउनि लोकेश नेवारे की टीम द्वारा घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। एसडीओपी आकाश अमलकर ने बताया कि आरोपी अंकित उर्फ राहुल निवासी झीकडी, रितेश निवासी भटोनी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से बरामद दोनों मोटरसाइकिलों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। पूछताछ पर पाया कि उक्त चोरों ने सीहोर कोतवाली क्षेत्र और इंदौर लसुड़िया क्षेत्र से चोरी की थी आरोपियों से अन्य अपराधों की भी पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक सूरज परिहार, सउनि लोकेश नेवारे, प्रधान आरक्षक ठाकुर प्रसाद, आरक्षक राकेश डावर, कावसिंह रावत, सुरेन्द्र राणा, राहुल मांझी, अमित ठाकुर, सैनिक संतोष वर्मा, राकेश पाल एवं परमानंद वर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

अंतिम दौर में पहुंची अतिक्रमणकारियों से हुई नोंक-झोंक

गर्मी के कारण अतिक्रमण हटाओ अभियान पर लगा विराम, 3 दिन बाद फिर होगी कार्रवाई

आष्टा, देशबन्धु। नगर में चल रहा अतिक्रमण हटाओ मुहिम अब अंतिम दौर में आ चुकी है, पिछले 15 दिनों से लगातार एसडीएम श्रीमती स्वाति उपाध्याय मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा नगर का अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रखा था, जिसमें प्रशासन शत-प्रतिशत कामयाब भी हुआ। एक बात जरूर है कि कुछ जगह प्रशासन और अतिक्रमणकारियों के बीच नोक झोक हुई लेकिन प्रशासन ने अपना काम चालू रखा।

बुधवारा रोड का अतिक्रमण हटाया जा रहा था, तभी एसडीएम स्वाति उपाध्याय मिश्रा एवं हिउस के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद कालू भट्ट की सड़क पर नोक-झोक हो गई थीं, जिसका वीडियो सोशल मिडिया पर जमकर चला। उसके बाद भी नगर में अतिक्रमण हटाओ चलाओ मुहिम नगर में जारी रहा। शुक्रवार को अतिक्रमण अभियान नहीं चला। जिससे अतिक्रमणकारियों ने राहत की सांस ली और ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि अब यह अभियान यहीं विराम लेगा। नगर के इतिहास में पहली पर इस तरह का अभियान चला। जिससे नगर अतिक्रमण मुक्त देखने को मिला। इस बीच एसडीएम श्रीमती स्वाति उपाध्याय मिश्रा का स्थानांतरण होने की खबर मिल गई। जिससे अतिक्रमणकारियों से चर्चा कर रहें कि नगर में अतिक्रमण हटाओ मुहिम नहीं चलेगा। आष्टा के नए एसडीएम नितिन कुमार टाले होंगे।

इनका कहना है

– गर्मी को देखते हुए 3 दिन के लिए अतिक्रमण हटाओ मुहिम रोकी गई है । सोमवार से फिर चलेगी, शेष बचे अतिक्रमण भी हटाए जाएंगे।

राजेश सक्सेना,
सीएमओ आष्टा

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

पीएनबी शाखा के नए प्रबंधक का रेलवे एसोसिएशन द्वारा स्वागत

आमला, देशबन्धु। पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में नवनियुक्त शाखा प्रबंधक घनश्याम भुसरकर से रेलवे पेंशनर वेल्फेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने भुसरकर का पुष्पगुच्छ देकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस सम्मान समारोह में एसोसिएशन के शाखा सचिव अनंत प्रसाद, कोषाध्यक्ष मोहम्मद गुफरान, संगठन सचिव प्रकाश डाफणे सहित हरिश्चंद्र पटेल, महादेव पंडागरे, आलम खान, संतोष बनसोड, सुखलाल मौर्य, कीशोर यादव, बबलू चौकीकर, प्रकाश बनसोड, भीककु, रामरतन जौंजारे उपस्थित रहे।महिला सदस्यों में अध्यक्ष श्रीमती नफीसा शाह, श्रीमती उमाबाई, श्रीमती ममता, श्रीमती सरिता एवं श्रीमती भीमराव गढ़ेकर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की।

मां ताप्ती के तट पर सिद्धाश्रम साधक परिवार 15 जून को लगाएगा सैकड़ों पौधे

बैतूल, देशबन्धु। सिद्धाश्रम साधक परिवार निखिल मंत्र विज्ञान द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 15 जून को एक पौधा गुरु के नाम पौधारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान पारसडोह स्थित पुण्य सलिला मां ताप्ती नदी के पवित्र तट पर आयोजित किया जा रहा है। साधक नितिन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पौधारोपण कार्यक्रम सिद्धाश्रम साधक परिवार निखिल मंत्र विज्ञान के तत्वावधान में संपन्न होगा। इस अभियान में जिलेभर से साधक परिवार की टीम भाग लेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजीव खंडेलवाल, बलदेव दवंडे, रूसीलाल यादव, ओंकार साहू, हर्षा मनोज अग्रवाल, विमल बचले, गणेश साहू, शैलेंद्र गायकवाड, दिलीप, गोलू, सोनू, निखिल सोनी, मनोहर जीतपूरे, रघुनाथ लोखंडे, नेकराम राठौर, आनंद भोला डोंगरे, नारायण, मनोज तुमाने, निश्चल कमाविस्दार, पंजाबराव चिल्हाटे, चिंद्या बरडे, धनराज सूर्यवंशी, राजेन्द्र पाटनकर सहित अनेक साधक मौजूद रहेंगे। साधक परिवार का यह उद्देश्य है कि पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और शुद्ध वातावरण का निर्माण किया जा सके। सिद्धाश्रम साधक परिवार इस अभियान को सेवा और परमार्थ का कार्य मानते हुए संपूर्ण निष्ठा से संपन्न करेगा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष की दौड़ में एक उभरता नाम गंगा राम रावत

बैतूल, देशबन्धु। कांग्रेस के युवराज राहुल गाँधी देश भर मे घूम घूम कर दिन रात एक कर रहे हैं परन्तु जो पहले पार्टी के प्रति लोगों मे समर्पण था, वह नही दिखाई देता है । इसके पीछे पार्टी के नेताओं मे कार्यकर्ताओं के प्रति जो सम्मान होना चाहिए था उसके अभाव के चलते जमीनी कार्यकर्ता पार्टी से दूर होते गया। हालांकि, राहुल गाँधी ने हार नही मानी । लगातार पार्टी को मजबूती प्रदान करने की दिशा में पिछले दिनों मध्यप्रदेश के प्रवास पर आकर कांग्रेस पार्टी को पुन: एक बार पटरी पर लाने के प्रयास कर रहे है। इसी दिशा में पर्यवेक्षक जल्द बैतूल प्रवास पर आकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से भेंट कर नये जिला अध्यक्ष की तलाश करने वाले है । वैसे वर्तमान में कांग्रेस पार्टी का जिला अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे संभाल रहे है। जिला अध्यक्ष बदलना चाहिए। पूर्व सेवादल अध्यक्ष मनोज आर्य,पूर्व में दो बार का लोकसभा चुनाव लड चूके आदिवासी नेता रामू टेकाम, वहीं दूसरे युवा आदिवासी नेता, जो आदिवासी कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव व विधान सभा चुनाव लड़ चुके राहुल उइके, पूर्व विधायक धरमूसिह सिरसाम , किसान कांग्रेस के अध्यक्ष रमेश गायकवाड, इनके अलावा पूर्व विधायक नीलय डागा के करीबी युवा कार्यकर्ता हर्षवर्धन धोटे तथा महिला वर्ग से महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पुष्पा पेन्दराम का नाम सामने आया है ।

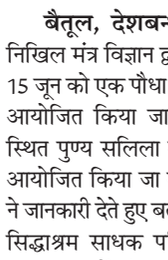

लेह-लद्दाख की रोमांचक राइड पूरी कर लौटे राइडर्स

माइनस 6 डिग्री में भी नहीं हारी हिम्मत बैतूल के प्रकृति प्रेमी छाए गए नक्शे पर

- बर्फीले तूफान को चीरकर लेह पहुंचे राइडर्स

बैतूल, देशबन्धु। जिले के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय मोटरसाइक्लिंग क्लब राइडर्स प्लेनेट बैतूल मोटरसाइकिलिंग क्लब के दो सदस्य 29 मई को विश्व प्रसिद्ध लेह-लद्दाख राइड के लिए रवाना हुए थे। पहले दिन वे शिवपुरी होते हुए आगरा पहुंचे जहां यमुना एक्सप्रेसवे पर छतरपुर राइडर्स क्लब से मुलाकात की। दूसरे दिन कुरुक्षेत्र, तीसरे दिन मंडी और चौथे दिन मनाली होते हुए वे अटल टनल और रोहतांग पास पार कर यांगला पहुंचे।

पांचवें दिन राइडर्स ने लेह-लद्दाख के सबसे ठंडे और ऊंचाई वाले क्षेत्र सरचू में रुकाव किया, जहां तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। इतनी ठंड में ऑक्सीजन की कमी के चलते कुछ अन्य राज्यों से आए राइडर्स को भारतीय सेना की एंबुलेंस से मेडिकल कैंप पहुंचाया गया, जहां उन्हें ऑक्सीजन देकर सुरक्षित किया गया।

राइडर्स प्लेनेट बैतूल क्लब के दोनों सदस्य छठे दिन सुबह सरचू विलेज से रवाना होकर लाचुंगला पास (16616 फीट ऊंचाई) पर पहुंचे, जहां अचानक बर्फीला तूफान शुरू हो गया। लेकिन दोनों राइडर्स की राइडिंग किट पूरी होने के कारण उन्होंने तूफान को सहते हुए आगे की यात्रा जारी रखी और लेह पहुंचे। रास्ते में उन्होंने शे गांव की मोनेस्ट्री भी देखी।

सातवें दिन राइडर्स ने खारदुंगला (18380 फीट), जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा मोटरेबल ट्रैक है, पर बाइक चलाई। वहां अचानक हुई बर्फबारी के चलते बीआरओ द्वारा रास्ता क्लियर करवाया गया, जिससे सभी राइडर्स सुरक्षित लेह लौट सके। आठवें दिन राइडर्स ने लेह से लारायुमु मोनेस्ट्री का भ्रमण किया और फिर कारगिल पहुंचकर द्रास सेक्टर में कारगिल वार मेमोरियल पर जाकर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वे जोजिला दर्रा, बालटाल, सोनमार्ग होते हुए श्रीनगर पहुंचे।

नौवें दिन श्रीनगर से अम्बाला और दसवें दिन आगरा होते हुए भोपाल से बैतूल लौटे। राइडर्स प्लेनेट बैतूल क्लब का उद्देश्य इको-टूरिज्म और ट्रैफिक अवेयरनेस को बढ़ावा देना है, जो इस यात्रा में राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफल सिद्ध हुआ।

इस राइड में बैतूल जिले और मध्यप्रदेश के पहले राइडर रानू हजारे ने 10वीं बार लेह-लद्दाख की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। उन्होंने कहा कि हिमालय के पर्वत जीवित से प्रतीत होते हैं, ऐसे सुंदर पर्वत शायद ही दुनिया में कहीं और हो। इस यात्रा में उनके साथी उज्जवल धोटे की यह पहली लद्दाख यात्रा रही। उज्जवल ने इसे अत्यंत सुखद और पर्यावरण से जुड़ाव बढ़ाने वाली यात्रा बताया। लद्दाख की सुंदरता के लिए शब्द नहीं हैं, यह स्थान राइडर्स के लिए तीर्थस्थल से कम नहीं इस सफल यात्रा की खुशी में सुरभि सुजुकी बैतूल के डायरेक्टर विजेंद्र (गोरू) रघुवंशी ने राइडर्स का स्वागत किया और एक विशेष राइडर्स मीटअप की योजना बनाई।

वनग्राम धाराखोह में आंधी-तूफान ने खूब बरपाया कहर

बैतूल, देशबन्धु। वनग्राम धाराखोह में 11 जून को आई तेज आंधी, तूफान और ओलावृष्टि से गांव के अनेक मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्रामवासियों के मकानों की छतें उड़ गईं, दीवारें फट गईं, घरों में रखे कपड़े, बिस्तर और अनाज पूरी तरह गीले होकर खराब हो गए हैं। पशुओं के लिए रखा गया भूसा भी सड़ गया है, जिससे जानवरों के चारे की भी समस्या उत्पन्न हो गई है।

तेज हवा और बारिश के कारण गांव की बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई है। बड़ी और छोटी दोनों बिजली लाइन के तारों पर पेड़ गिर गए हैं और कई पोल टूट गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा के चलते गांववासियों के सामने जीवन निर्वाह का संकट खड़ा हो गया है।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेता डॉ. रमेश काकोडिया भी पहुंचे। ज्ञापन सौंपने के दौरान युवा कांग्रेस नेता राजेश गावंडे, राजा सोनी, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष जैद खान, सेंटी वाघमारे, मिथिलेश राजपूत सहित कांग्रेस कार्यकर्ता थे।

14 खदारा पंचायत में सचिव की वापसी का जमकर विरोध

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम पंचायत खदारा में शुक्रवार को सचिव के पंचायत पहुंचने पर ग्रामीणों ने जमकर विरोध जताया। शक्ति केंद्र प्रभारी रेवाराम उइके, बूथ अध्यक्ष गोकुल इवने, अवतार इवने, योगेंद्र उईके सहित ग्राम पंचायत खदारा के पंचों और ग्रामीणों ने सचिव के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। जनपद सदस्य व शक्ति केंद्र प्रभारी रेवाराम उइके ने बताया कि संजीव पहले भी खदारा पंचायत में पदस्थ रह चुका है। उस दौरान पंचायत में फर्जीवाड़ा हुआ था। कई बिल कागजों पर ही बना दिए गए थे और काम वास्तविक रूप से जमीन पर नहीं हुए थे।

बूथ अध्यक्ष गोकुल इवने, अवतार इवने और योगेंद्र उईके ने कहा कि संजीव नामदेव की कार्यशैली संदिग्ध रही है और यदि उसकी पिछली पदस्थापना की जांच कराई जाए, तो सच्चाई सामने आ जाएगी। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि उनका ट्रांसफर नीमपानी से खदारा ग्राम पंचायत में विधायक के प्रभाव से किया गया है। संजीव को खदारा पंचायत से नहीं हटाया गया, तो विधायक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

10 लीजेंड वॉरियर बनी खो-खो प्रीमियर लीग विजेता

बैतूल, देशबन्धु। जिले में पहली बार खो-खो प्रीमियर लीग का आयोजन पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती की स्मृति में किया गया। 12 जून को बैतूल पुलिस ग्राउंड में इस प्रतियोगिता का आयोजन अहिल्या कप के नाम से किया गया, जिसमें जिले के सभी खो-खो खिलाड़ियों को शामिल किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला प्रचारक श्री शिवम और मानसरोवर द स्कूल के चेयरमैन डॉ. विनय सिंह चौहान ने किया। इस आयोजन को बैतूल खो-खो क्लब द्वारा आयोजित किया गया, जिसके अध्यक्ष अंकित भिकोंडे और सचिव दक्ष चंदेल हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी खिलाड़ियों को चार टीमों में बांटा गया और टीमों का गठन आक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया।

टीम एच मार्ट के ऑनर धीरज हिरानी, टीम लीजेंड वॉरियर के ऑनर विलीन चौकीकर, टीम अग्नि वीर के ऑनर रमेश पाठा, टीम आरए स्पोर्ट्स के ऑनर अशोक रघुवंशी रहे।यह प्रतियोगिता लीग आधार पर आयोजित की गई थी, जिसके बाद फाइनल मुकाबला लीजेंड वॉरियर और अग्नि वीर टीम के बीच खेला गया। फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लीजेंड वॉरियर टीम ने विजयी होकर अहिल्या कप पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा प्रदान किया गया जबकि द्वितीय पुरस्कार समाजसेवी मुन्ना मानकर द्वारा दिया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अतीत पवार और खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील रहीं, जिन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में आगामी प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गईं। इस आयोजन को सफल बनाने में दीपक सलूजा, प्रमेश राजपूत और गौरव सिंह सिसोदिया ने विशेष भूमिका निभाई। आयोजन समिति के अध्यक्ष मधुकर राव देव्हारे ने सभी अतिथियों व बैतूलवासियों का आभार व्यक्त किया।

एक तो गर्मी, उस पर अघोषित बिजली कटौती ने उड़ा दी नींद, घेरा दफ्तर

अजीब दादागिरी: बिल पूरा लो, बिजली कभी भी काट दो

आमला, देशबन्धु। बिना शेड्यूल के बिजली बंद कर दी जाती है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसानों तथा आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली के अभाव में किसानों की फसलों पर सिंचाई नहीं हो पा रही है । बोरदेही क्षेत्र में पिछले कुछ महीने से अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिसके चलते क्षेत्रवासी एवं किसान परेशान हो चुके हैं। विगत कई महीनों से बिजली विभाग द्वारा बोरदेही क्षेत्र में बिना शेड्यूल के बिजली बंद कर दी जाती है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसानों तथा आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली के अभाव में किसानों की फसलों पर सिंचाई नहीं हो पा रही है वर्तमान में खड़ी फसल बर्बाद होने की कगार पर आ चुकी है अघोषित कटौती होने के कारण परेशान क्षेत्र वासियों ने गुरुवार को बिजली विभाग कार्यालय बोरदेही जाकर जमकर प्रदर्शन किया तथा बिजली आपूर्ति सुधारने हेतु ज्ञापन सौंपा। आक्रोशित किसानों ने बिजली विभाग कार्यालय जाकर धरना प्रदर्शन किया तथा बिजली भी आपूर्ति सुधारने हेतु अंतिम चेतावनी दी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली व्यवस्था नहीं सुधरती है तो अब आंदोलन होगा।

ग्रामीणों का कहना है : ग्राम बोरदेही के संजय सूर्यवंशी, भगवंत सिंह रघुवंशी, देवेन्द्र सिंह पटेल,अनीष साहु आदि का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा बोरदेही क्षेत्र के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामों में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिससे क्षेत्रवासी एवं किसान त्रस्त हो चुके हैं। बिजली व्यवस्था सुधारने हेतु अधिकारियों से बार-बार निवेदन किया जा रहा है लेकिन वह हम ग्रामीणों की परेशानी की ओर ध्यान नहीं दे रहे। इसके पूर्व में भी अधिकारियों से इस संबंध में जानना चाहा तो आमला के पास पावर ट्रांसफार्मर खराब होने के चलते बिजली कटौती होना बताया गया। लेकिन महीनों तक व्यवस्था नहीं सुधारी गई यह विभाग की लापरवाही उजागर करता है।

ग्रामीण तथा किसानों में पनप रहा आक्रोश : क्षेत्रीय जनपद सदस्य निलेश साहु, जनपद सदस्य सुजीत खंडाग्रे,रोशन भुम्मरकर आदि का कहना है कि क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती के चलते किसने की फसल बर्बाद होने की कगार पर आ चुकी है पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण किसान अपनी वर्तमान की फसलों का सिंचाई कार्य भी समय पर नहीं कर पा रहे। प्रतिदिन के आवश्यक कार्य भी अघोषित बिजली कटौती के कारण अब प्रभावित हो रहे हैं। कई घंटे अघोषित कटौती होने के कारण आम व्यक्ति की दैनिक दिनचर्या के साथ साथ पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो चुकी है। लगातार कटौती होने से पेयजल हेतु पानी की टंकी भी नहीं भर पा रही जिससे पेयजल व्यवस्था पूर्ण रूप से लड़खड़ा चुकी है।

ज्ञापन सौंपकर बिजली विभाग को दी चेतावनी : अघोषित बिजली कटौती से त्रस्त क्षेत्र वासियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि अतिशीघ्र अघोषित बिजली कटौती बंद की जाए तथा क्षेत्र वासियों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति होना चाहिए।

हरदा में आयोजित अधिवेशन में बैतूल के पेंशनरों की समस्याओं पर हुई चर्चा, कई विषयों को लेकर रखे विचार

बैतूल, देशबन्धु। हरदा जिले में विद्युत पेंशनर हितरक्षक संघ के बैनर तले नर्मदापुरम संभागीय जिला स्तरीय अधिवेशन आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन में बैतूल शाखा की ओर से संस्था के कोषाध्यक्ष यूडी लिखितकर, अमृत खांडवे, उपाध्यक्ष एआर देशमुख और सचिव वीएन बारस्कर उपस्थित रहे। बैठक में बैतूल जिले के पेंशनरों की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। अधिवेशन में नर्मदापुरम संभाग के अन्य जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी समस्याओं और सुझावों को रखा। इससे उनके मन में नया उत्साह जागा है।

16 से 20 जून तक कांग्रेस संगठन में फूंकेंगे जान, बनाई संगठन विस्तार की खास योजना

बैतूल, देशबन्धु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नई दिल्ली के संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बैतूल जिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का सघन दौरा 16 जून से शुरू हो रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बताया कि इस अभियान के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व्दारा नियुक्त प्रभारी हिमाचल प्रदेश के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र (जिला कांगड़ा) से विधायक केवल सिंह पठानिया उनके साथ पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, भोपाल के पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव और मध्यप्रदेश कांग्रेस के सचिव अजय दांते भी इस दौरे में शामिल रहेंगे।

श्री वागद्रे ने आगे बताया कि सभी नेता गण 16 जून को दोपहर 12 बजे बैतूल में प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करेंगे इसके बाद दोपहर 1 बजे समन्वय समिति की बैठक एवं दोपहर 2 बजे वरिष्ठ कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, पार्षद प्रत्याशियों, सभी प्रकोष्ठ अध्यक्षों, पूर्व पदाधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 3:30 बजे बैतूल से मुलताई के लिए प्रस्थान कर सायं 4 बजे मुलताई ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगे एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद किया जाएगा। रात्रि विश्राम बैतूल में ही रहेगा। दूसरे दिन 17 जून को सुबह 11 बजे प्रभात पट्टन ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे आठनेर ब्लॉक की बैठक और शाम 5 बजे भैंसदेही ब्लॉक की बैठक एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कार्यक्रम तय है। तीनों बैठकों में स्थानीय कांग्रेस नेताओं, पार्षदों, प्रत्याशियों, पंचायत प्रतिनिधियों और प्रकोष्ठ अध्यक्षों से विस्तार से चर्चा की जाएगी। रात्रि विश्राम इस दिन भी बैतूल में ही रहेगा। 18 जून को सुबह 11 बजे भीमपुर ब्लॉक की बैठक होगी, जिसके बाद दोपहर 2 बजे चिचोली ब्लॉक और शाम 5 बजे शाहपुर ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगे। इन बैठकों में भी कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से संगठन को लेकर फीडबैक लेंगे। इस दिन का विश्राम भी बैतूल में रखा गया है। 19 जून को दोपहर 11 बजे घोड़ाडोंगरी ब्लॉक और दोपहर 2 बजे सारनी ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगे। शाम 5 बजे आमला और बोरदेही ब्लॉकों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की जाएगी। रात्रि विश्राम बैतूल में ही होगा। दौरे का अंतिम दिन 20 जून को सुबह 11 बजे बैतूल शहर और बैतूल ग्रामीण ब्लॉक की बैठकें होंग।

वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों से संवाद करेंग

कांग्रेस नेताओं का यह दौरा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों की सक्रियता, जमीनी कामकाज, संगठनात्मक ढांचा और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सभी ब्लॉकों को शामिल करते हुए इस व्यापक दौरे के माध्यम से कांग्रेस के संगठन का जायजा लेकर रिपोर्ट केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित की जाएगी।

जन परिषद भोपाल ने किया प्रवीण गुगनानी का सम्मान

प्रवीण दाताराम की आठ पुस्तकें प्रकाशित, एक उपन्यास के रूप में बेसुआ नाम से आएगी उनकी नौवीं पुस्तक

- *36 वें स्थापना समारोह में कई दिग्गज हस्तियां रहीं उपस्थित*

बैतूल, देशबन्धु। *मध्यप्रदेश की अग्रणी एवं प्रसिद्ध स्वयंसेवी संस्था जन परिषद् ने शुक्रवार 13 जून को भोपाल में एक प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन में बैतूल के लेखक प्रवीण दाताराम गुगनानी का सम्मान किया है। पुलिस हेडक्वार्टर्स, भोपाल के पारिजात सभागार में आयोजित जन परिषद् के 36 वें स्थापना समारोह में कई दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति के मध्य प्रवीण को उनके कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।*

प्रवीण दाताराम को एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव एवं मिस दुबई किरण जोशी से सम्मान चिह्न दिलवाते समय जन परिषद् के आधार स्तंभ रामजी श्रीवास्तव ने भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए प्रवीण के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। इस भव्य कार्यक्रम में मंच पर भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव, मिस दुबई एवं एक्ट्रेस सुश्री विद्या

जोशी एवं जनपरिषद् के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस कमिश्नर एन के त्रिपाठी एवं जन परिषद् के आधारस्तंभ रामजी श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

प्रवीण दाताराम की आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं एवं नौवीं पुस्तक एक उपन्यास के रूप में बेसुआ नाम से आ रही है। बेसुआ नावेल, अंग्रेज़ों द्वारा भारत से उनके विभिन्न औपनिवेशिक देशों को भेजे गए गिरमिटिया मजदूरों की एक बड़ी ही मार्मिक कथा है। प्रवीण दाताराम ने इस उपन्यास को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार के रूप में किए गए फिजी देश के प्रवास के आस पास बुना है।

अंग्रेज़ों द्वारा परतंत्र भारत से अनेक देशों को लाखों गुलाम मजदूर भेजे गए थे जिनमे से नब्बे प्रतिशत लोग कभी स्वदेश लौट ही न पाये थे। इस उपन्यास की कथा में वैदेशिक स्तर पर यह बात रखी गई है कि इन लाखों भारतीयों को झूठे एग्रीमेंट के आधार पर विदेशों में जबरन भेजने एवं अंधे कुएं में फेंकने हेतु ब्रिटिश सरकार को भारतीय संसद से क्षमा मांगनी चाहिए। जन परिषद् से इस सम्मान प्रतिष्ठापूर्ण सम्मान प्राप्त होने पर बैतूल जिले के समस्त मित्रों, शुभचिंतकों ने प्रवीण को बधाइयाँ प्रेषित की है।

मुख्यमंत्री ने की मध्यप्रदेश मेट्रो रेल परियोजना की समीक्षा, दिए निर्देश

मेट्रो रेल परियोजना के कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा का ध्यान रखते हुए पूरे किए जाएं। भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण और अन्य संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे कार्य के दौरान कोई कठिनाई नहीं आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल परियोजना की समीक्षा कर रहे थे।

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना को नवंबर 2018 में मंजूरी दी गई। भोपाल मेट्रो की दोनों लाइन की कुल वास्तविक लंबाई लगभग 30 किलोमीटर है और इसके 30 स्टेशनों में ये 2 भूमिगत स्टेशन शामिल हैं। जिसकी लागत 10 हजार 033 करोड़ रूपए अनुमानित है। शुरुआत में यहां 3 कार वाली कुल 27 ट्रेन संचालित होंगी। भविष्य में मेट्रो की कार संख्या बढ़ाकर 6 की जा सकती है। ऑरेंज लाइन-करोंद चौराहा से एम्स साकेत नगर तक और ब्लू लाइन- भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक होगी। मेट्रो डिपो सुभाष नगर में स्थापित होगा।

इंदौर मेट्रो रेल परियोजना

राज्य सरकार ने इंदौर मेट्रो ट्रेन परियोजना को नवंबर 2018 में स्वीकृति प्रदान की थी। इस परियोजना की कुल लंबाई 31 किलोमीटर से अधिक है, 7 भूमिगत सहित जिसमें कुल 28 स्टेशन बनाए गए हैं। यहां पहले फेज में 3 कार वाली ट्रेन की शुरुआत हो चुकी है। आगामी वर्षों में मेट्रो ट्रेन बढ़ाकर 25 और मेट्रो कार संख्या आवश्यकतानुसार 6 तक बढ़ाई जा सकती है। इंदौर मेट्रो परियोजना की कुल लागत 12 हजार 088 करोड़ रूपए अनुमानित है। यलो लाइन के प्रमुख स्टेशन- गांधी नगर, आईएसबीटी, विजय नगर चौराहा, पत्रकार कॉलोनी, रेलवे स्टेशन, राजवाड़ा, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट हैं। मेट्रो डिपो गांधी नगर में स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में लिया निर्णय

समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द की खरीदी करेगी सरकार

केन्द्र को भेजा प्रस्ताव, 19 से प्रारंभ होगा पंजीयन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के लिये सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है। सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किये जाने संबंधी निर्णय लेकर प्रस्ताव केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजा है। किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 19 जून से प्रारंभ होगा। इस संबंध में संबंधित विभाग एवं एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये कृषि आधारित उद्योग लगाने में भी मदद कर रही है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने के लिये प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान संघों से हुई चर्चा में आश्वस्त किया कि हम सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की बेहतरी के लिये डबल इंजन की सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उन्नत बीज और उन्नत कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश में निरंतर कृषि मेलों का आयोजन कर रही है। उल्लेखनीय है कि कृषि लागत एवं मूल्य आयोग भारत सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 रूपये प्रति क्विंटल और उड़द का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7400 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। प्रदेश के 36 जिलों में मई माह के तृतीय सप्ताह से जून माह के प्रथम सप्ताह तक मूंग फसल कटाई और प्रदेश के 13 जिलों में मई माह के तृतीय सप्ताह से जून माह के प्रथम सप्ताह तक उड़द फसल की कटाई की जाती है। प्रदेश में मूंग का संभावित क्षेत्राच्छादन 14.35 लाख हेक्टेयर, संभावित उत्पादन 20.23 लाख मीट्रिक टन है। इसी प्रकार उड़द का संभावित क्षेत्राच्छादन 0.95 लाख हेक्टेयर, संभावित उत्पादन 1.24 लाख मीट्रिक टन है।

पचमढ़ी में भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग आज से, शाह करेंगे शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा का 3 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 14 जून को पचमढ़ी में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ग का शुभारंभ दोपहर 3 बजे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे एवं समापन 16 जून को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में होगा। श्री शर्मा ने आज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसदों-विधायकों का नियमित प्रशिक्षण वर्ग 14, 15 और 16 जून को पचमढ़ी में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ग में 201 जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष , राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सी.आर. पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, श्रीमती सावित्री ठाकुर एल. मुरुगन, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह अलग-अलग सत्रों में सांसदों-विधायकों का मार्गदर्शन करेंगे। श्री शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में सैद्धांतिक, व्यवहारिक एवं अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। श्री ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष' पर और भाजपा की जनसंघ से लेकर वर्तमान समय तक की यात्रा पर केंद्रित प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के दौरान सभी सांसद और विधायक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी करेंगे।

मंत्री सारंग ने ली सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

सहकार से समृद्धि विजन पर समयबद्ध रूप से हो काम

भोपाल, देशबन्धु। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित सहकार से समृद्धि के विज़न के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री श्री सारंग ने आगामी 20 जून को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित उच्च स्तरीय बैठक के लिए राज्य स्तर पर की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री सारंग शुक्रवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल भी बैठक में उपस्थित थे। मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की सिद्धि के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की हर योजना को हर गाँव, हर पंचायत, हर किसान और हर सहकारी संस्था तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ शत-प्रतिशत क्रियान्वयन तय समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ हो।

बैठक में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक विपणन संघ अलोक कुमार सिंह, उप सचिव मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा परिषद का अभिनव नवाचार बना अन्य राज्यों के लिए उदाहरण

सिपरी सॉफ्टवेयर से प्रभावित हुआ महाराष्ट्र का दल, की सराहना

राज्य में पहली बार वैज्ञानिक पद्धति से हुआ जल संरचनाओं के निर्माण स्थलों का चयन

भोपाल, देशबन्धु। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से महाराष्ट्र सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के छह सदस्यीय दल ने शुक्रवार को उनके शासकीय निवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर वर्षा जल के संचयन और भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए किए जा सकने वाले प्रयासों पर विस्तृत चर्चा हुई। महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों ने इस दौरान मध्यप्रदेश में वर्षा जल और भूजल प्रबंधन को लेकर किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की सराहना की। खासतौर पर दल ने जल गंगा संवर्धन अभियान और सिपरी सॉफ्टवेयर की प्रशंसा की। इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन अवि प्रसाद, महाराष्ट्र सरकार के वाटरशेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलाकर रणदिवे, अवर सचिव मृदा एवं संरक्षण विभाग देवेन्द्र भामरे, प्रकाश पाटिल, क्षेत्रीय जल संरक्षण अधिकारी दिलीप निपाने, जीआईएस विशेषज्ञ अमोल विधाते और असिस्टेंट इंजीनियर अविनाश देवपारे शामिल रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश मनरेगा परिषद द्वारा किए गए नवाचारों का अध्ययन करने के लिए महाराष्ट्र सरकार का यह छह सदस्यीय दल 12 जून को दो दिवसीय दौरे पर भोपाल आया। दल के सदस्यों ने फील्ड में जाकर सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से चिन्हित किए गए खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने सिपरी सॉफ्टवेयर के कार्य को गहराई से देखा और उसकी तकनीकी कार्यप्रणाली की सराहना की। यह पहला अवसर है जब मध्यप्रदेश में सॉफ्टवेयर की मदद से वैज्ञानिक पद्धति से खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थलों का चयन किया गया।

भोपाल आगमन के पश्चात दल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी और मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन अवि प्रसाद से पृथक से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। पहले दिन 12 जून को अधिकारियों ने भोपाल जिले की जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायत गुनगा एवं जैतपुर का भ्रमण किया, जहां उन्होंने सिपरी सॉफ्टवेयर से चिन्हित खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थल देखे। इस दौरान उन्होंने हितग्रहियों से चर्चा भी की। शुक्रवार को दल ने रायसेन जिले के सांची विकासखंड का भ्रमण किया और वहां भी सिपरी सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली को देखा व आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं।

संविदा कर्मचारियों का वेतन बढ़ा अब 25 सौ रुपए ज्यादा मिलेंगे

भोपाल, देशबन्धु। सरकार ने प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि कर दी है। वित्त विभाग ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर उनके वेतन में 2.94 प्रतिशत की दर से वार्षिक वृद्धि की है। जिसके आधार पर संविदा कर्मियों के वेतन में करीब 375 से 2500 रुपये तक की बढ़ोतरी हो जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा की गई संविदा कर्मचारियों और शिक्षकों की यह वेतन वृद्धि 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया है। यह वृद्धि संविदा कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए एक सकारात्मक कदम है और इससे उन्हें आर्थिक रूप से राहत मिलेगी।

वहीं इस बढ़ी हुई वृद्धि को लेकर भी प्रतिक्रिया सामने आने लगी है, मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने इसे ऊंट के मुंह में जीरा बताया है। अध्यक्ष रमेश राठौर ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कहा है कि संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तरह जैसे पहले महंगाई भत्ता मिलता था, वही दिया जाए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जो वित्त विभाग बढ़ाता है वह बहुत कम होता है।

योगेश गौड़ा हत्याकांड: विनय कुलकर्णी को सुप्रीम कोर्ट ने मोहलत देने से किया इनकार

नई दिल्ली/धारवाड़, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को सरेंडर के लिए मोहलत देने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए विनय कुलकर्णी की मांग को खारिज कर दिया। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 6 जून को कुलकर्णी की जमानत रद्द करते हुए एक हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। बीजेपी नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में आरोपी कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी जमानत पर बाहर हैं। हालांकि उनकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

भोपाल में अमृत हरित महा अभियान पर हुई कार्यशाला

जनभागीदारी से शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाएं, पौधों की सुरक्षा भी हो : शुक्ला

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने कहा है कि बढ़ती आबादी के दबाव के कारण शहरों का पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। जरूरत इस बात की है कि जन भागीदारी से हम शहरों में हरित क्षेत्र को बढ़ायें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पौधरोपण के साथ-साथ हम पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला शुक्रवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में अमृत हरित महा अभियान पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण जुड़ी गतिविधियों और पहल का प्रसार करना है। कार्यशाला में समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि आगामी बारिश के मौसम के दौरान जिन चिन्हित स्थानों पर पौधरोपण होना है, वहां व्यापक स्तर पर तैयारी की जाये। श्री शुक्ला ने कहा कि शासकीय भवन परिसर, कॉलेज एवं स्कूल परिसर के आस-पास पौधरोपण किया जाये। उन्होंने कहा कि नगरों के कुल क्षेत्रफल का लगभग 20 से 25 प्रतिशत भाग समृद्ध हरित क्षेत्र होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से जिन पेड़ों को आस्था के साथ लगाया जाता रहा है, हम उनको स्थानीय परिस्थिति के अनुसार ज्यादा संख्या में लगा सकते हैं। इनमें आम, जामुन, पीपल, नीम इत्यादि हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वाले नगरीय निकायों को पुरस्कृत किये जाने की भी पहल की जाना चाहिए। कार्यशाला में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े, आईआईएफएम के डॉ. योगेश दुबे ने शहरी अधोसंरचना में नीली-हरी अवसंरचना का प्रबंधन, एप्को के रामरतन ने जलवायु परिवर्तन, एसपीए भोपाल के सौरभ पोपली ने शहरी स्थल पर हरित प्रणाली, अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित कानून और प्रमुख अभियंता प्रदीप मिश्रा ने नगर वनों के विकास की जानकारी दी। कार्यशाला में दिव्यांग पार्क और छिंदवाड़ा में आधुनिक पार्क पर केन्द्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। रवीन्द्र भवन परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में नागरिकों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में खाद, बीज, उन्नत किस्म के पौधे, कृषि और उद्यानिकी के लिये उपयोगी यंत्रों का विक्रय एवं प्रदर्शन किया गया।

एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम

कार्यशाला में नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि वर्षा काल के दौरान प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापक पौधरोपण और वृक्षों की सुरक्षा की जिम्मेदारी शत-प्रतिशत जनभागीदारी से सफल हो सकती है। आयुक्त ने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा से जुड़ी 3 वर्ष की कार्य योजना बनाये जाना भी जरूरी है। आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक नगर परिषद में एक लाख, नगर पालिका में 5 लाख और नगर निगम में 15 से 20 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की जाये। औद्योगिक क्षेत्र की चर्चा करते हुए आयुक्त ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में वर्षा काल के इस सीजन में 11 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की गई है। इसी तरह की योजना मंडीदीप सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी बनाई जा रही है। आयुक्त ने कहा कि हमें अमृत मित्र तैयार करना होंगे, जो इस कार्य में सहयोग करेंगे।

परमाणु ठिकाने तबाह, 20..... रात के समय हमला किया है। इस हमले में सेंटर के उस हिस्से पर भी असर पड़ा जो जमीन के नीचे बना हुआ था। जानकारी के मुताबिक यहां यूरेनियम शुद्ध करने वाली मशीनें (सेंट्रीफ्यूज), बिजली से जुड़े कमरे और बाकी जरूरी तकनीकी ढांचा था। नतांज ईरान का सबसे बड़ा यूरेनियम संवर्धन केंद्र है। यहां यूरेनियम को उच्च स्तर तक संवर्धित किया जाता है, जिससे इसे सैन्य इस्तेमाल यानी परमाणु हथियार बनाने लायक बनाया जा सकता है। इस्राइली वायुसेना ने रात के समय यह हमला किया। इसमें प्लांट के भूमिगत हिस्से को निशाना बनाया गया, जहां कई मंजिलों वाली एक बड़ी संवर्धन हॉल है। सेंट्रीफ्यूज मशीनें लगी हैं जो यूरेनियम को संवर्धित करती हैं। वहीं बिजली की आपूर्ति और तकनीकी नियंत्रण वाले कमरे हैं और प्लांट को चलाए रखने वाला अन्य अहम ढांचा भी है।

दोनों देशों ने की एक-दूसरे पर जवाबी कार्रवाई -इजराइल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव अब एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। वहीं शुक्रवार की सुबह इजराइल के हमले के बाद दोनों देश एक-दूसरे पर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। एक तरफ जहां बेंजमिन नेतन्याहू ने ईरान पर अपनी कार्रवाई को जरूरी बताया है, वहीं ईरान की तरफ से इस्राइल को सजा देने की बात कही गई है। अब आपको बताते हैं कि, इस्राइल ने ईरान पर अपने भीषण हमले को किस तरह अंजाम दिया। तो बता दें कि, इजराइल इस हमले की तैयारी बहुत पहले से कर रहा था, जिसमें इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरान के अंदर हथियारों की तस्करी भी की थी। जानकारी के मुताबिक, हमला शुरू होने से पहले ईरान के भीतर ही ड्रोन और अन्य हथियारों को सक्रिय किया गया। ईरान ने नए कमांडर किए नियुक्त-इजराइली हमले

प्रथम पृष्ठ का शेष

में ईरान के दो शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने तुरंत नए सैन्य प्रमुखों की नियुक्ति कर दी है। बता दें कि, जनरल अब्दुर्रहीम मूसेवी को ईरानी सशस्त्र बलों का नया प्रमुख बनाया गया है। इससे पहले वे थल सेना के प्रमुख थे। मोहम्मद पाकपुर को इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का नया कमांडर बनाया गया है। उन्होंने जनरल होसैन सलामी की जगह ली है। आईआरजीसी ईरान की सबसे ताकतवर सैन्य इकाई मानी जाती है, जो 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद बनाई गई थी और देश की धार्मिक सरकार का अहम स्तंभ है।

इमारत की छत पर मिला.... कॉलेज के छात्रावास पर विमान गिरा था, वहां के सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर पुलिस ने जब्त किया गया। डीवीआर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है, जो सीसीटीवी कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग को सेव करता है। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें विमान का ब्लैक बॉक्स खोजने में मदद के लिए कहा गया था। दमकल विभाग के उप प्रमुख ध्रुमित गांधी ने बताया था कि उनकी टीम ने फॉरेंसिक और विमानन विशेषज्ञों के साथ मिलकर ब्लैक बॉक्स ढूंढ़ने में मदद की। इस टीम मेटल कटर जैसे विशेष उपकरण थे। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था और इसमें 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। गुरुवार दोपहर 1 बजकर 39 मिनट पर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अडड्े से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यह विमान मेघाणीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के वक्त विमान को अचानक नीचे गिरते हुए देखा गया और फिर वह आग के गोले में बदल गया। वहां से काले धुएं का गुबार आसमान में उठता दिखाई दिया। एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों से गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे की जानकारी ली। पीएम मोदी के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री रामनोहन नायडू, गुजरात के गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री उस जगह भी गए जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था।

हर उड़ान से पहले बोइंग.... से पहले यह सब चेक होगा। फ्यूल सिस्टम की जांच यानी ईंधन से जुड़े पैरामीटर सही हैं या नहीं। कैबिन में हवा पहुंचाने वाले सिस्टम की जांच। इंजन कंट्रोल सिस्टम की जांच। इंजन में ईंधन डालने और ऑयल सिस्टम की जांच। हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच, जो प्लेन के पहिए, ब्रेक कंट्रोल करता है। टेक-ऑफ के आंकड़ों जैसे रफ्तार, वजन की दोबारा समीक्षा। एक नया फ्लाइट कंट्रोल चेक होगा, जो हर स्टॉप पर किया जाएगा। पावर टेस्ट (इंजन ताकत की जांच) अगले 2 हफ्ते में करना अनिवार्य है। पिछले 15 दिन में इन विमानों में जो भी खराबी बार-बार आई है, उसकी जांच पूरी किए बिना कोई मेंटेनेंस बंद नहीं होगा।

मप्र-उप्र सहित 9 राज्यों.... गुरुवार को अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश के साथ बिजली गिरने से पांच महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस हफ्ते रफ्तार पकड़ी है। अनुमान है कि मानसून 25 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों को कवर कर लेगा। केरल में 24 मई को मानसून पहुंचा था। यह अपने तय समय से 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले पहुंचा था। वहीं, पिछले साल 30 मई को दस्तक थी।

मप्र बनेगा भारत-फ्रांस.... विशेष रूप से कार्य करता है। यह एमओयू दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, जिससे कला, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

एमओयू के तहत प्रमुख रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयुक्त आयोजन किया जाएगा, जिसमें कला उत्सव, संगीत, नृत्य, प्रदर्शनियां, फिल्म स्क्रीनिंग, खानपान और संस्कृति से जुड़े अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। प्रतिवर्ष एक समर्पित इंडो-फ्रेंच सांस्कृतिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की पर्यटन प्रचार सामग्री का फ्रेंच भाषा में अनुवाद किया जाएगा और फ्रांसीसी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। पर्यटन क्षेत्र के अधिकारियों और गाइड्स को फ्रेंच भाषा एवं संस्कृति का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। यह समझौता प्रदेश की सांस्कृतिक रणनीति को बल देगा और स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, छात्रों तथा सांस्कृतिक संगठनों को वैश्विक मंच प्रदान करेगा, जिससे मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव उद्योग राघवेंद्र कुमार सिंह, फ्रांस के कौंसुल जनरल जीन-मार्क सेरे-शार्ले, फ्रांसीसी दूतावास के राजनीतिक परामर्शदाता, शाद जॉयनाल आबेदीन और अलायंस फ्रांसेज़ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

साइबर अपराध पर सीबीआई का शिकंजा, कई राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में साइबर आधारित वित्तीय अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'चक्र-वी' के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली, हिसार, लखनऊ, मुंबई, पुणे और नासिक समेत कुल 10 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई एक संगठित साइबर निवेश धोखाधड़ी के मामले में की गई।

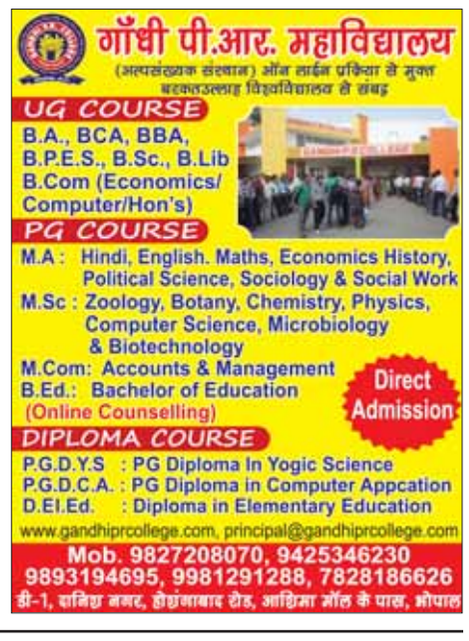

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।